फाल्गुन शुक्ल पक्ष नवमी संवत् 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 252 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
08 मार्च 2025
शनिवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

आज का मौसम
28 अधिकतम
16 न्यूनतम

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर कार्यक्रम, सीएम सुरक्षा समेत सभी व्यवस्थाओं की कमान महिला अधिकारियों के हाथ

शक्ति का सम्मान : सीएम ने असाधारण कार्यों के लिए पुरस्कृत किया, लाड़लियों के खाते में 1552 करोड़ भेजे

भोपाल ,दोपहर मेट्रो

आज अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर आज सरकार महिलाओं के प्रति विशेष सम्मान प्रदर्शित कर रही है। मुख्यमंत्री मोहन यादव की दिनभर सुरक्षा और कारकेड सहित तमाम व्यवस्थाओं की समस्त कमान महिलाएं संभाल रही हैं। आज सीएम सुरक्षा का जिम्मा उपपुलिस अधीक्षक बिट्टू शर्मा के पास है, वहीं मुख्यमंत्री का वाहन इंस्पेक्टर इरशाद अली चला रही हैं। जबकि सीएम कारकेड के वाहनों की जिम्मेदारी सपना सहित अन्य महिला चालकों पर है। सीएम की ओएसडी का दायित्व अंडर सेक्रेटरी श्रीलेखा क्षोत्रीय निभा रही है और प्रेस अधिकारी की जिम्मेदारी बिंदु सुनील और सोनिया परिहार के पास है। आज अपने तय कार्यक्रम के तहत 'महिला स्टाफ' के साथ मुख्यमंत्री ने सुबह की और वे सबसे पहले नर्मदापुरम रोड स्थित हर हेल्थ- हारमोनी इंस्टीट्यूट ऑफ एक्सीलेंस इन रिप्रोडक्टिव हेल्थ का शुभारंभ करने पहुंचे। यहां भी उन्होंने डॉ प्रिया भावे चितावर का सम्मान किया। यादव ने उनकी पुस्तक 'डायबिटीज को हराएं- जीवन को जीतें' का विमोचन भी किया। इसके बाद यादव ने कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में राज्य स्तरीय कार्यक्रम में महिला, बाल विकास विभाग के राज्य स्तरीय पुरस्कार का भी वितरण किया। इस अवसर पर राष्टमाता पद्मावती पुरस्कार (2023), राजमाता विजयाराजे सिंधिया समाज सेवा पुरस्कार (2023-24), रानी अवंति बाई वीरता पुरस्कार (2024) और विष्णु कुमार महिला एवं बाल कल्याण समाज सेवा सम्मान पुरस्कार (2024) दिए गए। इसमें महिलाओं एवं बच्चों के कल्याण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के अलावा समाज सेवा, सुरक्षा, वीरता एवं साहसिक कार्यों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली महिला शामिल हैं। महिला दिवस के मौके पर आज मुख्यमंत्री ने सरकार की लाड़ली बहना योजना के तहत 1250 रूपये की मासिक किश्त भी खातों में भेजने की शुरूआत की तथा 1.27 करोड़ लाभार्थी महिलाओं के खाते में लगभग 1552.73 करोड़ रूपये की राशि का सिंगल क्लिक से अंतरण हुआ।

नशामुक्त क्षेत्र बनाने पर आभार

पिछले दिनों मुख्यमंत्री यादव द्वारा 19 धार्मिक स्थलों को नशा मुक्त बनाने के निर्णय का भी स्वागत हुआ है। मंडलेश्वर की महिलाओं का कहना है कि सरकार का यह कदम समाज में नैतिक और सामाजिक सुधार लाने में सहायक होगा। इससे आने वाली पीढ़ियों को साफ माहौल मिलेगा और प्रदेश में नशा मुक्त समाज की कल्पना को साकार होने में मदद मिलेगी। यह पहल अन्य राज्यों के लिए भी एक प्रेरणा बन सकती है। ज्ञात हो कि महेश्वर में कैबिनेट बैठक करके यह निर्णय लिया गया था। महिलाओं ने कहा है कि यह कदम प्रदेश में सामाजिक सुधार की दिशा में सराहनीय पहल है। इससे पवित्रता बनी रहेगी और श्रद्धालुओं को साफ, आध्यात्मिक माहौल मिलेगा।

बच्ची के अपहरण से हड़कंप, रातभर डेढ सौ जवान ढ़ंढते रहे

उमरिया. एजेंसी

बीती रात चंदिया से एक मासूम बच्ची के अपहरण का मामला सामने आने के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप है। पूरी रात सर्चिंग के बाद भी मासूम का पता नहीं चला है। लगभग डेढ़ सौ पुलिसकर्मी बच्ची की तलाश में हैं। मासूम बच्ची के अपहरण की यह घटना चंदिया प्राइमरी स्कूल के पास उसके दादा के सामने ही हुई है। पुलिस का कहना है कि 9 वर्षीय बच्ची का स्कूल से निकलते ही अज्ञात बाइक सवार ने अपहरण कर लिया। बच्ची के दादा ने बताया कि बाइक सवार व्यक्ति ने उसे जबरन बाइक में बैठा लिया तो बच्ची चिल्लाने लगी। जिसके बाद कुछ लोग दौड़े भी लेकिन उसका पता नही लग पाया है।

दिल्ली : बीपीएल कार्डधारक महिला को ही मिलेगी राशि

नई दिल्ली। विधानसभा चुनाव मे जीत के बाद दिल्ली सरकार की महिला सम्मान योजना को आज कैबिनेट की मंजूरी मिल रही है। योजना का लाभ शुरुआत में बीपीएल कार्ड धारकों को ही मिलेगा। शर्त यह है कि जिन बीपीएल कार्डधारक महिलाओं को इस योजना का लाभ मिलेगा, वह दूसरी कोई और सरकारी योजना का लाभ नहीं ले रही होंगी। जिन महिलाओं को यह लाभ मिलेगा उनकी उम्र 21 साल से 60 साल के बीच में होनी चाहिए, इसके लिए रजिस्ट्रेशन जरूरी होगा।

ललित ने भारतीय पासपोर्ट जमा किया, नए देश के नागरिक बने

नईदिल्ली, एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग के फाउंडर ललित मोदी ने अपना भारतीय पासपोर्ट जमा करने के लिए लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग में आवेदन किया है। विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की है। मोदी को दक्षिण प्रशांत द्वीप के देश वानुअतु की नागरिकता प्राप्त करने के लिए जाना जाता है। उन्होंने 2010 में भारत छोड़ दिया और लंदन में रह रहे हैं। भारतीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों की वॉन्टेड लिस्ट में वे हैं। उन पर आरोप हैं कि वे आईपीएल के शीर्ष बॉस के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान करोड़ों रुपये के गबन में शामिल थे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा पासपोर्ट जा करने की जांच मौजूदा नियमों और प्रक्रियाओं के तहत की जाएगी, हमें बताया गया है कि उन्होंने वानुअतु की नागरिकता हासिल कर ली है।

मप्र को 3 महीने में मिला तीसरा टाइगर रिजर्व, दो बाघ छोड़ेंगे मुख्यमंत्री

अब मप्र में सबसे बड़ा वाइल्डलाइफ टूरिज्म सर्किट, मुख्यमंत्री 10 मार्च को नए रिजर्व में छोड़ेंगे बाघ, इसी दिन लोकार्पण भी होगा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

माधव नेशनल पार्क अब टाइगर रिजर्व बन गया है। यह मप्र का 6 महीने के भीतर रिजर्व बनने वाला पहला और संख्या में 9वां टाइगर रिजर्व है। अब सीएम मोहन यादव 10 मार्च को नए रिजर्व का लोकार्पण करेंगे और दो बाघ भी छोड़ेंगे। राज्य वन्यप्राणी बोर्ड की बैठक में माधव नेशनल पार्क को रिजर्व बनाने की सहमति दी थी। 1956 में माधव नेशनल पार्क स्थापित किया। दो वर्ष पूर्व यहां दो मादा और एक नर बाघ छोड़े गए। जिनके बीच से दो शावकों ने जन्म लिया। 2 बाघ छोड़े जाने के बाद यहां बाघों का कुनबा 7 का हो जाएगा। माधव रिजर्व में तेंदुआ, भेड़िया, सियार, साही, अजगर, चिंकारा भी है।

इस रिजर्व का विस्तार क्षेत्र शिवपुरी में है, जो कुल 37 हजार 523.344 हेक्टेयर में फैला है। रिजर्व का कोर क्षेत्र 375 वर्ग किलोमीटर और बफर क्षेत्र 1276 वर्ग किलोमीटर होगा। यह कुल क्षेत्रफल 1751 वर्ग किलोमीटर रहेगा। अभी इसमें 3 वयस्क और 2 शावक है। भोपाल के बाद यह दूसरा ऐसा रिजर्व बन गया है, जिसकी सीमा शहर से सटी हुई है। तीन माह पूर्व भोपाल के पास रातापानी वन्यजीव अभयारण्य को 8वां रिजर्व बनाया था। वन अधिकारियों का कहना है कि अब मप्र के 9 रिजर्व को मिलाकर बड़ा वाइल्डलाइफ टूरिज्म सर्किट देश का बड़ा टूरिज्म सर्किट होगा। माधव राष्ट्रीय उद्यान की सीमा कूनो नेशनल पार्क से लगी है। ऐसे में माधव के रिजर्व बनने से स्वभाविक है कि अब कूनो के आसपास भी सुरक्षा नियम और कड़े होंगे।

सीरिया में हिंसा भड़कने से 200 की मौत

बेरूत, एजेंसी

नई सरकार के पक्ष में खड़े लड़ाकों ने सीरिया के बॉर्डर पर कई गांवों पर हमला कर दिया,इससे दर्जनों लोगों की मौत हो गई। यह हमला अपदस्थ राष्टपति बशर असद के वफादारों द्वारा सरकारी सुरक्षा बलों पर हाल ही में किए गए हमलों के जवाब में किया गया। दोनों पक्षों के बीच चल रही झड़पें दिसंबर की शुरुआत में इस्लामी ग्रुप हयात तहरीर अल-शाम के नेतृत्व वाले विद्रोही समूहों द्वारा असद की सरकार को गिराए जाने के बाद से जारी हैं और यह सबसे खराब हिंसा है। नई सरकार ने 14 साल के गृहयुद्ध के बाद सीरिया को एकजुट करने का संकल्प लिया है। ब्रिटेन स्थित ह्यूमन राइट आब्जर्वेटरी के मुताबिक, लड़ाई शुरू होने के बाद से 200 से ज्यादा लोग मारे गए हैं। बदले की भावना से किए गए हमलों में मारे गए करीब 140 लोगों के अलावा, मृतकों में सीरिया के सरकारी बलों के करीब 50 सदस्य और असद के प्रति वफ़ादार 45 लड़ाके शामिल हैं. मार्च 2011 से सीरिया में चल रहे गृहयुद्ध में पांच लाख से ज्यादा लोग मारे गए हैं और लाखों लोग विस्थापित हुए हैं। इस बार जब एक वॉन्टेड शख्स को हिरासत में लेने की कोशिश हुई तो असद के वफादारों ने उन पर घात लगाकर हमला कर दिया।

अंबानी ने कमाई में मस्क को पीछे छोड़ा, 25 हजार करोड़ कमाए

शेयर्स में तीन फीसद तेजी का कमाल

नईदिल्ली, एजेंसी

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी की किस्मत 24 घंटे में बदल गई और वे दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क समेत कई दिग्गजों को पीछे छोड़ते हुए कमाई में आगे निकल गये। दुनिया के टॉप 10 अमीरों में से 7 नुकसान में रहे हैं। दरअसल रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर में 3 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई। इससे अंबानी की नेटवर्थ बढ़ी। ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स के मुताबिक अंबानी की नेटवर्थ में 2.92 बिलियन डॉलर (25 हजार करोड़) इजाफा हुआ है। दूसरी ओर एलन मस्क को 558 मिलियन डॉलर (करीब 5 हजार करोड़ रुपये) का नुकसान हुआ है। 24 घंटे की कमाई में अंबानी से आगे अमेरिकी निवेशक लैरी एलिसन रहे जो सॉफ्टवेयर कंपनी ओरेकल के चेयरमैन हैं। उन्होंने 3.29 बिलियन डॉलर की कमाई की। फिर अंबानी का नंबर आता है और उनके बाद तीसरे स्थान पर डेल टेक्नोलॉजीज के फाउंडर और चेयरमैन माइकल डेल है। 24 घंटे में कई दिग्गजों को बड़ा नुकसान भी हुआ। न सिर्फ एलन मस्क बल्कि मार्क जकरबर्ग, जेफ बेजोस, बर्नार्ड अर्नाल्ट, बिल गेट्स, वारेन बफे आदि इसमें शामिल हैं। मुकेश अंबानी की नेटवर्थ 88.1 बिलियन डॉलर है। वह दुनिया के 17वें सबसे अमीर शख्स हैं। दूसरे सबसे अमीर भारतीय शख्स की लिस्ट में गौतम अडाणी हैं उनकी नेटवर्थ 68.9 बिलियन डॉलर है। वह दुनिया के 21वें सबसे अमीर शख्स हैं।

जिस मरीज को कोमा में बताया वह चलकर अस्पताल से बाहर आया

बैकफुट पर आया अस्पताल

रतलाम, एजेंसी

एक निजी अस्पताल में जिस मरीज को 'कोमा' में बताया गया था, वह खुद चलकर अस्पताल से बाहर आ गया, तो हडकंप मच गया। उसने डॉक्टरों पर इलाज के लिए एक लाख रुपये मांगने का आरोप लगाया। घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल है। अब स्वास्थ्य विभाग ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं। वहीं अस्पताल प्रबंधन का कहना था कि मरीज का बिल ही महज आठ हजार था। खबरों के मोती नगर का रहने वाला बुंटी निनामा एक झगड़े में घायल हो गया था। पहले उसे सरकारी मेडिकल कॉलेज से जुड़े अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन बाद में उसे जीडी अस्पताल रेफर कर दिया गया। बाद में एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें बुंटी निनामा को लगभग आधे कपड़ों में अस्पताल के बाहर खड़े देखा गया, उसकी कमर पर कोलोस्टॉमी बैग और नाक में नली लगी थी। निनामा की पत्नी ने अस्पताल प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए व कहा कि हमें बताया गया कि मेरे पति कोमा में हैं हमने 12 घंटे के भीतर 40 हजार खर्च कर दिए। जब मैं और पैसे का इंतजाम करने गई और वापस आई तो देखा कि मेरे पति खुद अस्पताल के बाहर खड़े थे और गुस्से में थे। बता दें घटना के प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार शहर के दीनदयाल नगर क्षेत्र में रविवार को बंटी निनामा नाम का युवक घायल हो गया था। परिजन जीडी अस्पताल लेकर आए थे।

बिचौलिए जेम्स को जमानत पर जेल में रखने का किया अनुरोध!

अगस्ता वेस्टलैंड हेलीकॉप्टर मामला

नईदिल्ली, एजेंसी

अगस्ता वेस्टलैंड वीवीआईपी हेलीकॉप्टर मामले में कथित बिचौलिए क्रिश्चियन मिशेल जेम्स दिल्ली हाई कोर्ट से जमानत मिलने के बाद भी जेल में ही रहना चाहता है। उसने अदालत में पेश होकर जमानत लेने से इनकार कर दिया और कहा कि दिल्ली उनके लिए सुरक्षित नहीं है और वह वापस हिरासत में जाना चाहते हैं।

ईडी द्वारा दर्ज 3600 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जेम्स को 2018 में यूएई से प्रत्यर्पित किया गया था। जेम्स ने अदालत में कहा कि 'सुरक्षा जोखिमों' के कारण, वह जमानत पर रिहा होने के बजाय अपनी सजा पूरी करना और भारत छोड़ना पसंद करेंगे। स्पेशल जज संजीव अग्रवाल से उन्होंने कहा, मैं जमानत स्वीकार नहीं कर सकता। यह असुरक्षित है। हर बार जब मैं तिहाड़ से बाहर निकलता हूं, कुछ न कुछ होता है। मुझे पुलिस से समस्या है। मैं आपसे निजी तौर पर बात करना पसंद करूंगा। खबरों के मुताबिक उन्होंने एम्स में हुई किसी घटना का जिक्र किया जिसके बारे में वह अदालत से निजी में बात करना चाहेंगे। इस अनुरोध पर, जज ने मीडियाकर्मियों और पुलिस को कोर्ट रूम से बाहर भेज दिया। जेम्स को जमानत देते हुए हाईकोर्ट ने कहा कि यह एक असाधारण स्थिति थी जहां आरोपी 6.2 साल से ज्यादा समय से हिरासत में था, लेकिन अधूरी जांच के कारण मुकदमा अभी तक शुरू नहीं हुआ था।

बड़ा तालाब अतिक्रमण मुक्त करो, पुराने वाहनों पर लाओ नकेल कसने की नीति

पर्यावरण विभाग की बैठक में दो टूक, जल, जंगल और जमीन और पर्यावरण बचाने के लिए कोई कसर न छोड़े

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बड़ा तालाब अतिक्रमण मुक्त करो। वीआईपी रोड़ हो या कोई और किनारा, एक भी निर्माण दायरे के अंदर नहीं होने चाहिए। सभी रामसर साइट और जल स्त्रोतों को बचाने के लिए ठोस काम करें।

पुराने वाहनों का धुआं बहुत दिक्कत पैदा कर रहा है, ठंड में प्रदूषण की स्थिति दिल्ली जैसी हो जाती है, इसे खत्म करने के लिए सभी स्तर पर काम कीजिए, यदि पुराने वाहनों पर रोक संबंधी नीति भी बनानी पड़े तो बनाओ। सीएम डॉ. मोहन यादव ने पर्यावरण विभाग की बैठक में ये निर्देश सीएस अनुराग जैन व पर्यावरण विभाग के अधिकारियों को दिए।

असल में बड़ा तालाब अतिक्रमण की गंभीर समस्या से जूझ रहा है। चारो ओर से तालाब को कब्जाने की कोशिशें हो रही है। पूर्व से हजारों निर्माण तालाब के किनारे हो चुके हैं। आबादी का बोझ, तालाब पर भारी पड़ रहा है, कई स्थानों पर ऐसा पानी मिल रहा है, जिसे गंभीर जल प्रदूषण की श्रेणी में आता है। वहीं ठंड के दिनों में भोपाल की स्थिति बिगड़ जाती है। ग्वालियर और सिंगरौली की तो और भी खराब हो जाती है। यहां वायु की

गुणवत्ता बताने वाला एयर क्वालिटी इंडेक्स 400 के पार हो जाता है, जो कि वायु प्रदूषण की अति गंभीर श्रेणी को दर्शाता है। इन सबकी वजह से लोग परेशान होते हैं। जिस पर सीएम ने संज्ञान लिया और कहा कि सभी दिशाओं में ठोस काम करें।

पुराने वाहनों को दिल्ली की तरह तेल देना बंद करो

वायु प्रदूषण के लिए पुराने वाहनों का धुआं और खराब सड़कें मुख्य कारण है। सीएम ने ऐसी स्थिति से प्रदेश को निजात दिलाने के लिए दिल्ली की तर्ज पर अधिक पुराने वाहनों को पेट्रोल-डीजल देना बंद करने की नीति पर विचार करने के निर्देश दिए। यह भी कहा कि राष्ट्रीय स्वच्छ वायु गुणवत्ता कार्यक्रम की तरह मप्र भी राज्य स्तरीय कार्यक्रम बनाएं, जिसमें ऐसे शहरों को शामिल कर नए सिरे से काम होंगे, जिनका वायु गुणवत्ता सूचकांक 100 या उससे उपर चला जाता है। उन्होंने सिंहस्थ 2028 के दृष्टिगत शिप्रा तथा कान्ह नदी के जल की गुणवत्ता की निरंतर निगरानी करने, रामसर साइट अधिसूचित करने और और औद्योगिक इकाईयों से निकलने वाले डिस्चार्ज का प्लांट में ही ट्रीटमेंट करने के निर्देश दिए।

मारपीट की घटना के तीन दिन बाद भी दर्ज नहीं हुई एफआईआर

आयोग ने दिए जांच के निर्देश

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र मानव अधिकार आयोग ने भोपाल जिले के दो मामलों में लिया संज्ञान

मप्र मानव अधिकार आयोग ने भोपाल जिले के दो मामलों में संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों से जवाब मांगा है। पहला मामला अशोका गार्डन इलाके में विगत दिवस एक कॉलेज संचालक को टवेरा सवार युवकों ने एक?सीडेंट को लेकर हुये विवाद के बाद अगवा कर उसके साथ मारपीट करने का है। मामले में पीड़ित द्वारा मामले की शिकायत संबंधित पुलिस थाने में की, लेकिन घटना के तीन दिन बाद भी पुलिस द्वारा अब तक एफआईआर दर्ज नहीं की गई। आयोग के संज्ञान में आया है कि विगत दिवस टवेरा सवार युवकों ने कॉलेज संचालक को अगवा कर उसके साथ मारपीट की, जिसकी पीड़ित ने संबंधित पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई, लेकिन पुलिस ने अब तक ना तो एफआईआर दर्ज की और ना ही कोई कार्यवाही की है। मामले में आयोग ने पुलिस कमिश्नर को जांच के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन भी मांगा है।

30 वर्षीय विवाहित महिला के साथ की ज्यादती

भोपाल शहर के निशातपुरा इलाके में एक 30 वर्षीय विवाहित महिला के साथ उसके पड़ोस में रहने वाले एक युवक द्वारा छेड़छाड़ और ज्यादती करने का मामला सामने अया है। मामले में संज्ञान लेकर आयोग ने पुलिस कमिश्नर को जांच के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही आरोपी के विरुद्ध की गई कार्यवाही तथा पीड़ित/परिवार की सुरक्षा एवं सुरक्षित रूप से घर में निवास कर सकने के संबंध में की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन मांगा है।

छोटी-बड़ी खबरें

सीयूइटी पीजी 13 मार्च से, 9 को जारी होंगे एडमिट कार्ड

भोपाल. नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनएटी) ने कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूइटी) के लिए एग्जाम सिटी स्लिप जारी कर दी है। परीक्षा से 4 दिन पहले एडमिट कार्ड भी जारी किए जाएंगे। यह परीक्षा 13 मार्च से होगी। यह परीक्षा 157 विषयों के लिए होगी, जो 1 अप्रेल तक चलेगी। प्रदेश के 8 पारंपरिक विवि सहित दो केंद्रीय विश्वविद्यालयों में इस बार सीयूइटी के माध्यम से प्रवेश दिए जाएंगे। बीयू में बीएससी फिजिक्स, बीएससी एग्रीकल्चर, बीएससी जूलॉजी, बीए एलएलबी, बीए सोशलॉजी, बीपीइएस, बीसीए, बीबीए, बीवोक और बीकॉम जैसे कोर्स संचालित किए जाते हैं। पिछले साल, बीयू ने इन कोर्सों की 50 प्रतिशत सीटें 12वीं की मेरिट के आधार पर और शेष 50 प्रतिशत सीटें यूजीईटी स्कोर के जरिए भरी थीं।

नीट यूजी के आवेदन में छात्र 9 तक कर सकेंगे करेक्शन

भोपाल। नीट यूजी के लिए आवेदन की शुक्रवार को आखिरी तारीख थी। भोपाल से हर साल इस परीक्षा में 17 से 18 हजार विद्यार्थी शामिल होते हैं। आवेदन फॉर्म में करेक्शन के लिए विंडो 9 मार्च से ओपन होगी। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने इस संबंध में एक नोटिस जारी किया है, जिसमें बताया गया है कि करेक्शन विंडो 9 मार्च को खुलेगी और 11 मार्च को बंद हो जाएगी। इस परीक्षा में हर साल भोपाल जिले से 17 हजार से अधिक विद्यार्थी शामिल होते हैं।

डीडी प्ले स्कूल के वार्षिकोत्सव में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम

हिरदाराम नगर। नवयुवक सभा द्वारा संचालित डीडी प्ले स्कूल का वार्षिकोत्सव सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत गणेश वंदना के साथ हुई। नन्हे-मुन्ने बच्चों ने आहा टमाटर, लकड़ी की काठी की प्रस्तुति दी। अयोध्या मंदिर श्री रामजी ने कार्यक्रम को उंचाइयां दीं। संस्था के अध्यक्ष विष्णु गेहानी ने अभिभावकों को बच्चों की देखरेख करने के बारे में बताया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की सदस्या डॉ निशा सक्सेना ने बच्चों के बाल अधिकार के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विद्यालय ही बच्चों की सफलता की प्रथम सीढ़ी होता है। यहां बच्चों को शिक्षा के साथ संस्कार दिए जाने चाहिए। कार्यक्रम में नवयुवक सभा के संरक्षक वासदेव वाधवानी, सुरेश राजपाल व प्रिंसिपल ज्योति चौहान व सिंधू मिडिल की प्रिया धरमदासनी शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन काजल मोरंदानी और आभार प्रदर्शन हेमलता संगतानी ने किया।

गुलाल एवं अबीर से किया जाएगा शिवअभिषेक

हिरदाराम नगर। बजरंग सेना समिति द्वारा 9 मार्च को प्रातः 10 बजे थानेश्वर मंदिर संतनगर में भोले बाबा का गुलाल एवं अबीर से अभिषेक किया जाएगा। समिति अध्यक्ष कमलेश देवानी व राजकुमार गर्ग ने बताया कि अबीर और गुलाल से अभिषेक करने से सौभाग्य और समृद्धि बढ़ती है। ऐसा माना जाता है अबीर का इस्तेमाल पूजा-पाठ त्योहारों और विवाह समारोहों में किया जाता है।

सड़क खराब, उड़ रही धूल

भोपाल के भोजपुर रोड पर सड़कों की हालत खराब होने के कारण वाहन चालक धूल से रोज परेशान हो रहे हैं।

कार्यकर्ताओं ने किया ग्राम जीवन का दर्शन, जनजाति बहुल 40 गांवों में पहुंचे

विद्या भारती का अभ्यास वर्ग

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी स्थित सरस्वती विद्या मंदिर शारदा विहार आवासीय विद्यालय में विद्या भारती का अखिल भारतीय पूर्ण कार्यकर्ता अभ्यास वर्ग आयोजित किया जा रहा है। अभ्यास वर्ग में देश भर से आए 700 पूर्णकालिक कार्यकर्ता सहभागिता कर रहे हैं। अभ्यास वर्ग के चौथे दिन पूर्व निर्धारित योजना के अनुसार 350 से अधिक कार्यकर्ता जनजाति बहुल 40 गांवों में पहुंचे और स्थानीय ग्राम जीवन को समझा।?इस अवसर पर इन ग्रामों में संचालित संस्कार केन्द्रों का भी कार्यकर्ताओं ने अवलोकन किया। विद्या भारती का यह अभ्यास वर्ग 3 मार्च से 8 मार्च तक आयोजित किया जा रहा है। सरस्वती विद्या मंदिर आवासीय विद्यालय शारदा विहार भोपाल आसपास 40 गांव में संस्कार केंद्र का संचालन करता है इन्हीं 40 केंद्रों पर 40 टोली में कार्यकर्ता ने ग्राम जीवन के दर्शन किए छात्र एवं ग्रामीणों से संवाद किया। इस अनुभव यात्रा में अखिल भारतीय, क्षेत्रीय पदाधिकारी भी सम्मिलित थे। कार्यकर्ताओं के स्वागत की ग्रामीणों द्वारा विशेष तैयारियां की गईं। गाँव तोरण द्वार लगाए गए और रंगोली सजाई गईं। कार्यकर्ताओं की ढोल धमाकों के साथ परंपरागत अगवानी की गई।

विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुति दी, ग्रामीणों के घर किए भोजन: संस्कार केंद्र में पढ़ने वाले छात्रों ने राष्ट्रभक्ति एवं सामाजिक जीवन पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की उत्कृष्ट प्रस्तुति दी। जो संस्कार केंद्र में मिले संस्कारों को प्रदर्शित कर रही थी। सभी कार्यकर्ताओं का भोजन ग्रामीणों ने अपने परिवार में रखा था। 350 परिवारों में भोजन की व्यवस्था की गई थी। समरसता पूर्ण वातावरण में ग्रामीणों द्वारा अपने घरों में कार्यकर्ताओं को भोजन कराए गए।

विद्युत कंपनी के उप महाप्रबंधक, वितरण केंद्र मैनेजर, जूनियर इंजीनियर को नोटिस

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

लापरवाही और कार्य के प्रति सजग नहीं रहने के आरोप में प्रबंध संचालक ने की कार्यवाही

भोपाल ग्रामीण वृत्त की समीक्षा बैठक के दौरान मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक क्षितिज सिंघल ने बड़ी कार्यवाही की है। उन्होने मप्र विद्युत वितरण कंपनी के उप महाप्रबंधक भेरूंदा के राजेश अग्रवाल, ललरिया वितरण केंद्र के मैनेजर सुशील वर्मा और लाढ़कुई वितरण केंद्र के जूनियर इंजीनियर पंकज कटियार को लापरवाही और कार्य के प्रति सजग नहीं रहने के आरोप में कारण बताओं नोटिस जारी किया है। इसी तरह गुनगा के जूनियर इंजीनियर नितेश पलारिया को निलंबित कर दिया गया है। प्रबंध संचालक ने समीक्षा बैठक कहा कि बिलिंग एफिशिएंसी (दक्षता) तथा कलेक्शन एफिशिएंसी में कमी को किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि खराब तथा जले मीटर बदलें और उपभोक्ताओं को दी जा रही बिजली की प्रत्येक यूनिट बिक्रित यूनिट में परिवर्तित होना चाहिए। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मेट्रो एंकर | भोपाल में रिलीज से पहले डायरेक्टर, राइटर संवाद

द सिंध स्टोरी.. पाकिस्तान में सिंधी युवतियों के उत्पीड़न का दस्तावेज

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

पाक के सिंध में सिंधी समाज की बेटियों के साथ हो रहे अत्याचार पर बनी सिंधी और हिन्दी में बनी फिल्म 'द सिन्ध स्टोरी' दर्द का ऐसा दस्तावेज है, जो आंदोलित करता है। भोपाल में रिलीज से पहले लेखक आनंद मनवानी एवं निर्देशक तारिक भट ने संवाददाताओं चर्चा की। फिल्म के कथानक, उद्देश्य और तमाम मुद्दों को रखा।

तारिक भट और आनंद मनवानी ने कहा, फिल्म के जरिये सिंध में सिंधी युवतियों के साथ बर्बरता के बाद धर्मांतरण के दर्द को दिलों तक पहुंचाना है। इसीलिए फिल्म में मंनोजन नहीं, कट टू कट दर्द का दिखाया गया है। पाकिस्तान के सिंध में हिन्दू बेटियां असुरक्षित हैं। उत्पीड़न के बाद धर्मांतरण कराया जा रहा है। सिंधी हिन्दू

बेटियों पर हो रहे अत्याचारों के आंकड़ों के आधार पर फिल्म का कथानक तैयार किया है। घटनाओं को उसी दर्द के साथ दर्शकों के सामने रखने की कोशिश की गई है, जो बेटियां भोग रही हैं। फिल्म की शूटिंग मुंबई, कश्मीर और कुछ भाग पीओके में फिल्माया गया है।

प्रदेश स्तर पर रिलीज हो रही फिल्म : 'द सिन्ध स्टोरी' की अलग-अलग प्रदेशों में अलग-अलग तारीखों में की जा रही है। राजधानी भोपाल में 16 मार्च को फिल्म का प्रीमियर शो होगा। सिंधी ही नहीं हर भारतीय को यह फिल्म देखना चाहिए, क्योंकि पाक अधिकृत इलाका भारत का हिस्सा है। वहां जो घट रहा है, उसका ताल्लुक हर हिन्दुस्तानी से हैं।

पैसा कमाना हमारी प्राथमिकता नहीं: भट ने कहा, प्रदेश सरकारों से फिल्म को टैक्स फ्री करने का आग्रह है, लेकिन हमारा उद्देश्य अपनी बात को लोगों तक पहुंचाना है कमाना नहीं। मुंबई के फिल्म के प्रीमियर को अच्छा प्रतिसाद मिला है। इंदौर में आज यानी सात मार्च को दिखाई ई है। । भोपाल में को फिल्म का शो 16 मार्च को होगा।

धर्मांतरण को उजागर करेगी फिल्म

द सिंध स्टोरी के बारे में फिल्म का कथानक ज़बरदस्ती धर्मांतरण की समस्या को उजागर करता है, जिसे लेखक और निर्माता आनंद मनवानी ने तैयार किया है। फिल्म का निर्देशन तारिक भट ने किया है, जिन्होंने इसे एक प्रभावी और संवेदनशील तरीके से पेश किया है। 'द सिन्ध स्टोरी' हिन्दी और सिन्धी दोनों भाषाओं में बनाई गई है, जो इसे व्यापक दर्शकों के लिए सुलभ बनाती है। फिल्म में मुख्य भूमिकाओं में सिमरन आहूजा, नैना लालवानी, नील तलरेजा, चंदा वीरानी और प्रीत खत्री हैं। इस फिल्म का उद्देश्य सिंधी समाज को जागरूक करना और एकजुट करना है, ताकि पाकिस्तान में सिन्धी बेटियों के खिलाफ हो रहे अत्याचारों के खिलाफ विश्व स्तर पर आवाज उठाई जा सके। द सिन्ध स्टोरी वर्तमान समय की एक महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दे को उठाने वाली फिल्म है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
विकास की धुरी बन रही
प्रदेश की सशक्त नारी
नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव
द्वारा
1.27 करोड़ लाड़ली बहनों को
₹ 1552.73 करोड़
26 लाख बहनों को सिलेंडर रीफिलिंग
राशि ₹ 55.95 करोड़ का अंतरण
स्व-सहायता समूह
सम्मेलन
(सुरक्षित शहर एवं सार्वजनिक स्थल)
क्षेत्रीय सम्मेलन का
शुभारंभ
राज्य स्तरीय पुरस्कार
वितरण
D-11208/24
8 मार्च, 2025 । पूर्वाह्न 11:00 बजे । कुशाभाऊ ठाकरे सभागार, भोपाल
मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
सीधा प्रसारण
Webcast.gov.in/mp/cmevents
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025

संपादकीय

महिलाओं के प्रति बदलता नजरिया

आज महिलाओं के योगदान और उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के लिये दुनियाभर में उनका सम्मान और गौरवगान किया जा रहा है। यह जरूरी भी है और स्वाभाविक भी। क्योंकि पूरी दुनिया में महिलाओं की भूमिका समाज,परिवार और देश के लिए कई मायनों में बहुत मायने रखती है। बीते कुछ दशकों में जब दुनिया तेजी से बदली है और एक ग्लोबल विलेज के तौर पर उभरी है तो महिलाओं के लिये भी अवसरों के कई द्वार खुल गये हैं। यद्यपि महिलाओं के प्रति नजरिया भारत समेत दुनिया के कई देशों में अभी कुछ क्षेत्रों में पूरी तरह दुरूस्त नहीं हुआ है। महिलओं का दबाव में रखने या उनके हकों पर डाका डालने के मामले सामने आते रहते हैं और अक्सर यह उनके परिवार में ही होते हैं। लेकिन यह राहत की बात है कि सरकार और समाज इस दिशा में अब जागरूक हो रहे हैं और खुद महिला भी मानसिक तौर पर मजबूत होकर सामने आ रही हैं। इस बीच पिछले दिनों छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले से आई नवनिर्वाचित महिला पंचों की जगह उनके पतियों द्वारा शपथ ग्रहण किए जाने की खबर का उल्लेख जरूरी हो जाता है क्योंकि यह मौजूदा दौर में आश्चर्य या विस्मय पैदा करती है। आम तौर पर इसे इस रूप में लिया जा रहा है कि यह तो होता ही है। मामला खास इसलिए बना क्योंकि इसका विडियो वायरल हो गया। अगर यह न हुआ होता तो शायद ही यह घटना सुर्खियों में आती और किसी के खिलाफ कोई कार्रवाई भी शायद ही होती। इससे स्पष्ट होता है कि तीन मार्च को कबीरधाम जिले के परसवारा गांव में हुए इस कार्यक्रम के दौरान किसी भी संबंधित व्यक्ति को इसमें कुछ भी गलत नहीं लगा। किसी ने कुछ छुपाने की जरूरत नहीं महसूस की। धूमधाम से गुलाल लगाए माला पहने इन पंच पतियों को शपथ दिलाई गई। वह तो जब वीडियो वायरल हुआ और पूछताछ शुरू हो गई, तब स्पष्टीकरण लिए-दिए जाने लगे। अगर इस गांव की सामाजिक और शैक्षिक स्थिति पर गौर करें तो यह सब अस्वाभाविक भी नहीं लगता। 2011 की जनगणना के मुताबिक 320 परिवारों और 1545 की जनसंख्या वाले इस गांव में महिलाओं और पुरुषों का अनुपात प्रति हजार पर 936 है, जो राज्य के लिंगानुपात (969) के मुकाबले काफी कम है। साक्षरता दर जहां पुरुषों में 82.86त्न है वहीं महिलाओं में यह महज 51.19त्न है। आंकड़ों के मुताबिक, देश में अभी पंचायत स्तर पर कुल 32.29 लाख निर्वाचित प्रतिनिधि हैं, जिनमें 15.03 लाख महिलाएं हैं। 46.6त्न के इस अनुपात को बुरा नहीं कहा जाएगा। लेकिन पितृसत्ता का साया इसे निरर्थक बना देता है। इसी वजह से सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर पंचायतों में महिलाओं की जगह उनके पति या अन्य रिश्तेदारों की भूमिका समाप्त करने के लिए समिति भी गठित की गई थी। इस समिति की पिछले महीने आई रिपोर्ट में ऐसे मामलों में भारी जुर्माना लगाने की सिफारिश की गई। कुल मिलाकर मामला जटिल और संवेदनशील है। कड़ी सजा पर जोर का उलटा असर हो सकता है। परसवारा भले सुर्खियों में आ गया हो, यह ऐसा इकलौता गांव नहीं है। ऐसे में कड़ी से कड़ी सजा के बजाय जागरूकता फैलाने पर जोर होना चाहिए। पंचायतों के कामकाज में महिलाओं की भागीदारी और उनका आत्मविश्वास बढ़ाने में प्रशासन की रचनात्मक भूमिका महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। यानि महिला के अवसरों की हिफाजत करना अभी जरूरी है, लेकिन कुछ वर्ष में यह स्थिति नहीं रहेगी,यह भी उम्मीद है।

नारी स्नेह का स्रोत और मांगल्य का महामंदिर

■ ललित गर्ग

महिलाओं की भागीदारी को हर क्षेत्र में बढ़ावा देने और महिलाओं को उनके अधिकारों के बारे में जागरूक करने के लिए हर वर्ष अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। यह केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि महिलाओं के संघर्ष और उनके हक की लड़ाई की कहानी बयां करता है। इस वर्ष की थीम एक्सीलरेट एक्शन यानी 'कार्रवाई में तेजी लाना' और तेजी से कार्य करना रखी है। यह थीम हमें बताती है कि महिलाओं को अपने ऊपर बहुत मेहनत और तेजी से काम करने की जरूरत हैं। यह लोगों, सरकारों और संगठनों को महिलाओं के उत्थान, समान अवसर प्रदान करने और भेदभाव समाप्त करने की दिशा में सक्रिय कदम उठाने के लिए प्रेरित करती है। इस दिवस का उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की उपलब्धियों को सम्मानित करना और लैंगिक समानता के प्रति जागरूकता फैलाना भी है। यह दिन महिलाओं के सशक्तिकरण, समाज, अर्थव्यवस्था, संस्कृति और राजनीति में उनके योगदान को पहचान दिलाने के साथ-साथ उनके अधिकारों और अवसरों की वकालत करता है। परिवार, समाज, देश एवं दुनिया के विकास में जितना योगदान पुरुषों का है, उतना ही महिलाओं का है। नया भारत-सशक्त भारत-विकसित के निर्माण की प्रक्रिया में महिलाएं घर परिवार की चार दीवारों को पार करके राष्ट्र निर्माण में अभूतपूर्व योगदान दे रही हैं। दिल्ली एवं पश्चिम बंगाल में महिला मुख्यमंत्री हो या केन्द्र में वित्तमंत्री, खेल जगत से लेकर मनोरंजन जगत तक और राजनीति से लेकर सैन्य व रक्षा तक में महिलाएं बड़ी भूमिका में हैं। जरूरत सम्पूर्ण विश्व में नारी के प्रति उपेक्षा एवं प्रताड़ना को समाप्त करने की है। इस दिवस की सार्थकता तभी है जब महिलाओं कां विकास में सहभागी ही न बनाये बल्कि उनके अस्तित्व एवं अस्मिता को नौंचने की वीभत्सताओं एवं त्रासदियों पर विराम लगे, ऐसा वातावरण बनाये। बीसवीं सदी की शुरुआत में महिलाओं ने अपने अधिकारों और बेहतर कार्य स्थितियों की मांग शुरू की थी। 1908 में न्यूयॉर्क में पन्द्रह हजार महिलाओं ने उचित वेतन और मतदान अधिकारों की मांग करते हुए मार्च निकाला। 1909 में अमेरिका ने पहली बार ÷राष्ट्रीय महिला दिवस÷ मनाया। 1910 में, जर्मन कार्यकर्ता क्लारा जेटकिन ने इसे एक अंतरराष्ट्रीय आयोजन बनाने का सुझाव दिया। 1911 में कई देशों में पहली बार अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। 1917 में, रूस की महिलाओं ने हड़ताल कर बेहतर परिस्थितियों की मांग की, जिससे 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में मान्यता मिली। संयुक्त राष्ट्र ने 1975 में इसे औपचारिक रूप से मान्यता दी, जिससे यह एक महत्वपूर्ण वैश्विक आयोजन बन गया। यह दिवस केवल जश्न का दिन नहीं, बल्कि आत्ममंथन का भी दिन है। यह हमें याद दिलाता है कि जब तक लैंगिक समानता पूरी तरह हासिल नहीं होती, तब तक यह संघर्ष जारी रहेगा।

महिलाओं से जुड़े मामलों जैसे महिलाओं की स्थिति, कन्या भ्रूण हत्या की बड़ती घटनाएं, लड़कियों की तुलना में लड़कों की बड़ती संख्या, गांवों में महिला की अशिक्षा एवं शोषण, महिलाओं की सुरक्षा, महिलाओं के साथ होने वाली बलात्कार की घटनाएं, अश्लील हरकतें और विशेष रूप से उनके खिलाफ होने वाले अपराध को एक बार फिर चर्चा में लाकर यह दिवस एक सार्थक वातावरण का निर्माण करने की आवश्यकता को व्यक्त करता है। जन-चेतना के एक टीस से मन में उठती है कि आखिर नारी कब तक भोग की वस्तु बनी रहेगीड़ उसका जीवन कब तक खतरों से घिरा रहेगाड़ बलात्कार, छेड़खानी, भ्रूण हत्या और दहेज की धधकती आग में वह कब तक भस्म होती रहेगीड़ कब तक उसके अस्तित्व एवं अस्मिता को नौचा जाता रहेगाड़ विडम्बनापूर्ण तो यह है कि महिला दिवस जैसे आयोजन भी नारी को उचित सम्मान एवं गौरव दिलाने की बजाय उनका दुरुपयोग करने के माध्यम बनते जा रहे हैं। शताब्दियों से चली आ रही अर्थहीन परम्पराओं और आत्महीनता के मनोभावों को निरस्त करने के लिए प्रतिरोधात्मक चेतना का विकास करना नितांत अपेक्षित है। नारी केवल एक शब्द नहीं, बल्कि संपूर्ण सृष्टि का आधार है। वह जीवनदायिनी है, प्रेम की मूर्ति और रिश्ते संवारने वाली शक्ति है। भारतीय संस्कृति में नारी को शक्ति, ममता, और त्याग का स्वरूप माना गया है। आज महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बड़ रही हैं, फिर भी कई चुनौतियां उनके सामने खड़ी हैं। समाज में आज भी घरेलू हिंसा, लैंगिक भेदभाव, शिक्षा में असमानता, दहेज प्रथा, बाल विवाह जैसी बुराइयां मौजूद हैं। अगर हम किसी समाज को मजबूत बनाना चाहते हैं, तो सबसे पहले हमें महिलाओं को सशक्त बनाना होगा।

महिला सशक्तिकरण का अर्थ है महिलाओं को उनके अधिकार, शिक्षा, रोजगार और स्वतंत्रता देना ताकि वे अपने जीवन को अपनी शर्तों पर जी सकें। जब तक स्त्री की अन्याय के प्रति विद्रोही चेतना का जागरण नहीं होता, वह अपने अस्तित्व को सही रूप में नहीं समझ सकती। उसे अपने परम्परागत महत्व एवं शक्ति को समझना होगा, वैदिक परंपरा दुर्गा, सरस्वती, लक्ष्मी के रूप में, बौद्ध अनुयायी चिरंतन शक्ति प्रज्ञा के रूप में और जैन धर्म में श्रुतदेवी और शासनदेवी के रूप में नारी की आराधना होती रही है। लोक मान्यता के अनुसार मातृ वंदना से व्यक्ति को आयु, यश, स्वर्ग, कीर्ति, पुण्य, बल, लक्ष्मी पशुधन, सुख, धनधान्य आदि प्राप्त होता है, फिर क्यों नारी की अवमानना होती हैड़ नारी धरती की धुरा है। स्नेह का स्रोत है। मांगल्य का महामंदिर है। परिवार की पीड़िका है। पवित्रता का पैगाम है। उसके स्नेहिल साए में जिस सुरक्षा, शीतलता और शांति की अनुभूति होती है वह हिमालय की हिमशिलाओं पर भी नहीं होती। नारी जाति के अलंकरण हैं-सादगी और सात्विकता। सत्यं, शिवं सुंदरं की समन्विति कृत्रिम संसाधनों से नहीं, अनंत स्तेज को निखारने से हो सकती है। सुप्रसिद्ध कवयित्रि महादेवी वर्मा ने ठीक कहा था-'नारी सत्यं, शिवं और सुंदर का प्रतीक है। उसमें नारी का रूप ही सत्य, वात्सल्य ही शिव और ममता ही सुंदर है। इन विलक्षणताओं और आदर्श गुणों को धारण करने वाली नारी फिर क्यों बार-बार छली जाती है, लूटी जाती है। महिलाओं के युग बनते बिगड़ते रहे हैं। कभी उनको विकास की खुली दिशाओं में पूरे वेग के साथ बड़ने के अवसर मिले हैं तो कभी उनके एक-एक कदम को संदेह के नागों ने रोका है। कभी उन्हें पूरी सामाजिक प्रतिष्ठा मिली है तो कभी वे समाज के हाशिये पर खड़ी होकर स्त्री होने की विवशता को भोगती रही है। कभी वे परिवार के केंद्र में रहकर समग्र परिवार का संचालन करती हैं तो कभी अपने ही परिवार में उपेक्षित और प्रताड़ित होकर निष्क्रिय बन जाती है। इन विसंगतियों में संगति बिठाने के लिए महिलाओं को एक निश्चित लक्ष्य की दिशा में प्रस्थान करना होगा। बदलते परिवेश में आधुनिक महिलाएं मैथिलीशरण गुप्त के इस वाक्य-÷आँचल में है दूध÷ को सदा याद रखें। उसकी लाज को बचाएँ रखें। एक ऐसा सेतु बने जो टूटते हुए को जोड़ सके, रुकते हुए को मोड़ सके और गिरते हुए को उठा सके। नन्हे उगते अंकुरों और पौधों में आदर्श जीवनशैली का अभिसिंचन दें ताकि वे शतशाखी वृक्ष बनकर अपनी उपयोगिता साबित कर सकें। 'यत्र पूज्यंते नार्यस्तु तत्र रमन्ते देवता'- जहां नारी की पूजा होती है, वहां देवता निवास करते हैं। किंतु आज हम देखते हैं कि नारी का हर जगह अपमान होता चला जा रहा है। उसे 'भोग की वस्तु' समझकर आदमी 'अपने तरीके' से 'इस्तेमाल' कर रहा है, यह बेहद चिंताजनक बात है। कानून का संरक्षण नहीं मिलने से औरत संघर्ष के अंतिम छोर पर लड़ाई हारती रही है। इसीलिये आज की औरत को हाशिया नहीं, पूरा पृष्ठ चाहिए। पूरे पृष्ठ, जितने पुरुषों को प्राप्त हैं। प्राचीन काल में भारतीय नारी को विशिष्ट सम्मान दिया जाता था। सीता, सती-सावित्री आदि अगणित भारतीय नारियों ने अपना विशिष्ट स्थान सिद्ध किया है। इसके अलावा अंग्रेजी शासनकाल में भी रानी लक्ष्मीबाई, चाँद बीबी आदि नारियाँ जिन्होंने अपनी सभी परंपराओं आदि से ऊपर उठ कर इतिहास के पन्नों पर अपनी अमिट छाप छोड़ी। लेकिन समय परिवर्तन के साथ साथ देखा गया की देश पर अनेक आक्रमणों के पश्चात् भारतीय नारी की दशा में भी परिवर्तन आने लगे। अंग्रेजी और मुस्लिम शासनकाल के आते-आते भारतीय नारी की दशा अत्यंत चिंतनीय हो गई।

विकसित भारत में महिलाओं की अग्रणी भूमिका

■ प्रो. रविन्द्र नाथ तिवारी

भारत अपनी सांस्कृतिक और भौगोलिक विविधता के लिए प्रसिद्ध है, और प्राचीनकाल से ही राष्ट्र के विकास में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। ऋग्वेद में महिलाओं को पुरुषों के समान अधिकार दिए जाने का उल्लेख है। गार्गी और मैत्रेयी जैसी विदुषियों ने अपने ज्ञान और तर्कशक्ति से समाज को प्रभावित किया। भारतीय संस्कृति में नारी का स्थान इतना ऊंचा था कि कहा गया– यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता, अर्थात जहां नारी का सम्मान होता है, वहां देवताओं का वास होता है। समय के साथ महिलाओं ने हर क्षेत्र में अपनी पहचान बनाई है। स्वतंत्रता संग्राम में सरोजिनी नायडू की बुलंद आवाज़ से लेकर राजनीति में इंदिरा गांधी और सुषमा स्वराज की दृढ़ नेतृत्व क्षमता तक, विज्ञान में अन्ना मणि और कमल रणदिवे के योगदान से लेकर खेलों में मैरी कॉम, पीटी ऊषा और मिताली राज की विजय गाथाओं तक भारतीय महिलाओं ने हर दिशा में सफलता की मिसाल कायम की है। भारत विश्व की सबसे बड़ी जनसंख्या वाला देश बन चुका है, जिसमें महिलाओं की हिस्सेदारी लगभग 48 प्रतिशत है। यह सिर्फ एक संख्या नहीं, बल्कि देश के सामाजिक और आर्थिक विकास की रीढ़ है। महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक स्वायत्तता पर किया गया हर निवेश, भारत की प्रगति को दोगुनी गति से सर्वोच्च पायदान पर पहुंचाएगा। आगे बढ़ाएगा। लेख है कि यदि एक पुरुष शिक्षित होता है तो एक व्यक्ति शिक्षित होता है, परंतु जब एक महिला शिक्षित होती है तो पूरा परिवार शिक्षित होता है। भारत में महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक भागीदारी में निरंतर सुधार हो रहा है, जो देश की समग्र प्रगति का प्रतीक है। 2011 में महिलाओं की साक्षरता दर लगभग 65.4 प्रतिशत थी, जो 2022 में बढ़कर 75.2 प्रतिशत हो गई। ग्रामीण क्षेत्रों में यह दर 62.6 प्रतिशत है, जबकि शहरी क्षेत्रों में 87.2 प्रतिशत तक पहुँच चुकी है। यह वृद्धि सरकार की विभिन्न शैक्षणिक पहलों, जैसे बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ और कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय का परिणाम है। मातृ मृत्यु दर में भी उल्लेखनीय कमी आई है। 2011 में यह दर प्रति 1 लाख जीवित जन्मों पर 130 थी, जो 2022 में घटकर 103 रह गई। यह सुधार स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच और गुणवत्ता में वृद्धि को दर्शाता है। महिलाओं की कार्यबल भागीदारी दर 2011 में 23.3 प्रतिशत थी, जो 2023 में बढ़कर 37 प्रतिशत हो गई है। यह वृद्धि महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता और सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने कई योजनाएँ लागू की हैं, जैसे सुकन्या समृद्धि योजना, मनरेगा में आरक्षण, मुद्रा योजना और स्वयं सहायता समूह को प्रोत्साहन। इन योजनाओं का उद्देश्य महिलाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और अन्य सुविधाएँ प्रदान करना है। 2023 में पारित नारी शक्ति वंदन अधिनियम के माध्यम से महिलाओं को राजनीतिक प्रतिनिधित्व प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। इससे राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी, जिससे नीतियों में ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और समावेशिता जैसे गुण विकसित होंगे। भारत की अर्थव्यवस्था को नई ऊँचाइयों तक ले जाने में महिलाओं की भागीदारी अहम है। रिपोर्टों के अनुसार, यदि महिलाओं की कार्यबल भागीदारी पुरुषों के बराबर हो जाए, तो भारत की सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 27 प्रतिशत तक की वृद्धि हो सकती है। महिलाओं की बढ़ती भागीदारी केवल अर्थव्यवस्था को ही नहीं, बल्कि समाज की सोच को भी नया आकार दे रही है। वे एक नए भारत की नींव रख रही हैं–एक ऐसा भारत जो सशक्त, समानता पर आधारित और समृद्ध हो।

21वीं सदी का भारत तेज़ी से प्रगति कर रहा है, और इस परिवर्तन में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक स्वतंत्रता और सशक्तिकरण के क्षेत्र में उनकी भागीदारी संपूर्ण देश के लिए क्रांतिकारी बदलाव लेकर आ रही है। एक शिक्षित और समर्थ महिला सिर्फ अपना भविष्य नहीं बदलती, बल्कि पूरे समाज और देश की दशा और दिशा तय करती है। आज महिलाएँ सिर्फ गृहस्थी तक सीमित नहीं हैं; वे विज्ञान और प्रौद्योगिकी में भी नए आयाम गढ़ रही हैं। इसरो की महिला वैज्ञानिकों ने मंगलयान और चंद्रयान जैसी ऐतिहासिक उपलब्धियों में अहम भूमिका निभाई। बायोटेक, एआई, स्पेस टेक्नोलॉजी और इंजीनियरिंग में महिलाओं की भागीदारी बढ़ रही है, जिससे भारत का नवाचार-परिदृश्य और मज़बूत हो रहा है। भारत आधुनिकीकरण की ओर बढ़ रहा है, महिलाएँ पारंपरिक मूल्यों को संजोते हुए नए सामाजिक और आर्थिक परिदृश्य में अपनी जगह बना रही हैं। वे न केवल परिवारों की आधारशिला बनी हुई हैं, बल्कि समाज में नेतृत्वकर्ता, विचारक और प्रेरणास्त्रोत के रूप में भी उभर रही हैं।

निश्चितरूपसेभारतकोविकसितएवंआत्मनिर्भरराष्ट्र बनानेमेंमहिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देना अनिवार्य है। शिक्षा, स्वास्थ्य, अवसरों की समानता और सामाजिक सुरक्षा को मज़बूती देकर हम महिलाओं को और सशक्त बना सकते हैं। भारत के विकसित होने की कहानी, नारी शक्ति के बिना अधूरी है और यह शक्ति भारत को एक नए, आत्मनिर्भर, प्रगतिशील और विकसित राष्ट्र की ओर ले जा रही है।

> निर्लज्ज हारकर भी नहीं हारता,
> मरकर भी नहीं मरता ।
> - जयशंकर प्रसाद

निशाना

राज्यसभा पहुंचाओ !

-कृष्णेन्द्र राय

भटक रहे हैं दर दर ।
राज्यसभा पहुंचाओ ।।
क्षीण हो गयी शक्ति ।
जोर तनिक लगाओ ।।
रहना सत्ता केंद्र में ।
रास्ता बनाओ ।।
करके गुणा भाग ।
राह ये बनाओ ।।
ना पहुंचे रसातल ।
होगा रखना ख्याल ।।
वरना होगा और भी ।
इससे बुरा हाल ।।
अजब आज ऐसी ।
स्थिति है आन ।।
हुआ सब अचानक ।
रो रहा सम्मान ।।

आज का इतिहास

- 1702 इंग्लैंड के राजा विलियम तृतीय की मौत के बाद महारानी एनी ने ब्रिटेन की सत्ता संभाली।
- 1921 स्पेन के प्रधानमंत्री एदुआर्दो दातो इरादियर की संसद भवन से बाहर निकलते हुए हत्या कर दी गई।
- 1930 महात्मा गांधी ने भारत की आजादी के लिए अंग्रेजी शासन के खिलाफ सविनय अवज्ञा आंदोलन शुरू किया।
- 1942 जापानी फौजों ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान बर्मा के रंगून शहर पर कब्जा किया।
- 1948 एयर इंडिया इंटरनेशनल की स्थापना।
- 1953 वसुंधरा राजे का जन्म। वह लगातार दस वर्ष तक राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी सरकार की मुख्यमंत्री रहीं।
- 1971 अमेरिका के मुक्केबाज जो फ्रेजियर ने पूर्व चैंपियन मोहम्मद अली को हराकर विश्व हेवीवेट खिताब दोबारा अपने नाम किया।
- 1985 बेरूत में एक मस्जिद के नजदीक एक कार बम धमाके में 80 लोगों की मौत और 175 से ज्यादा घायल। हादसे के समय लोग नमाज के लिए मस्जिद में एकत्र हुए थे।
- 1959 : दुनियाभर में बच्चियों की पसंदीदा बार्बी डॉल को न्यूयार्क में अमेरिकन टॉय फेयर में पहली बार पेश किया गया।
- 1967: सोवियत तानाशाह जोसेफ स्टालिन की पुत्री स्वेतलाना ने देश छोड़ा और नयी दिल्ली में अमेरिकी दूतावास पहुंचकर राजनीतिक शरण मांगी।
- 1973 : उत्तरी आयरलैंड की जनता ने देश में हुए एक जनमत संग्रह में ब्रिटेन के साथ रहने के पक्ष में वोट डाला। लगभग 57 प्रतिशत मतदाताओं ने ब्रिटेन के साथ रहने का समर्थन किया।
- 1986 : सेटेलाइट आधारित पहला टेलीफोन संपर्क नेटवर्क औपचारिक रूप से शुरू किया गया।
- 1994 : भारतीय अभिनेत्री देविका रानी का निधन।
- 1999 : ब्रिटेन में भारतीय मूल के दिग्गज उद्योगपति स्वराज पॉल को सेंट्रल बर्मिंघम विश्वविद्यालय ने डॉक्टरेट की मानद उपाधि प्रदान की।
- 2014 क्वालालम्पुर से बीजिंग जाते हुए मलेशिया एयरलाइंस का एक विमान लापता हो गया, जो लाख कोशिशों के बावजूद मिल नहीं पाया। विमान में 227 यात्री और चालक दल के 12 सदस्य सवार थे। इसे खोजने के प्रयास 2017 में बंद कर दिए गए।
- 2020 कोरोना वायरस पैर पसारने लगा। विश्वभर में मामलों की संख्या 1,05,800 तक पहुंची। 95 देशों तक पहुंचा वायरस। अकेले चीन में इसके 80,695 मामले। भारत में संक्रमितों की संख्या 39 पर पहुंची। केरल में पांच संक्रमित मिले।

अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण के विरूद्ध खनिज, राजस्व और पुलिस विभाग की संयुक्त रेड

छापामार कार्यवाही में 18 वाहन और मशीनें जब्त

नर्मदापुर, दोपहर मेट्रो

कलेक्टमर सुश्री सोनिया मीना के निर्देशानुसार नर्मदापुरम जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण के विरूद्ध खनिज, राजस्व और पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त रूप से कार्यवाही की जा रही है। खनिज विभाग नर्मदापुरम द्वारा कई वाहनों और मशीनों को अवैध गतिविधियों में शामिल होने के कारण जब्त किया गया है।उक्ता कार्यवाही कुल 18 वाहन और मशीनें जब्त की गई हैं। इन कार्यवाहियों में जिला खनि अधिकारी दिवेश मरकाम,नायब तहसीलदार इटारसी, पिंकी चौहान खनि निरीक्षक, कृष्णकांत सिंह परस्ते प्र0 खनि निरीक्षक, हेमन्त राज खनिज सिपाही एवं होमगार्ड बल उपस्थित रहा।

जब्त किए गए वाहन और मशीनें में 02 मार्च 2025 को बानापुरा तह0-सिवनीमालवा से 01 डम्पर क्रमांक-RJ09GD9195 को रेत खनिज का ओवरलोड परिवहन करते हुए पाये जाने पर जप्त कर पुलिस थाना सिवनीमालवा की अभिरक्षा में सुरक्षार्थ रखा गया है एवं रसुलिया नर्मदापुरम से 01 डम्पर क्रमांक-MP05HE6354 को गिट्टी खनिज का अवैध परिवहन करते हुए पाये जाने पर जप्त कर आर0टी0ओ0 परिसर में सुरक्षार्थ रखा गया है। इसी तरह 04 मार्च 2025 को ग्राम-बाबरी, डिमावर से 08 नाव (मोटर वोट) को रेत खनिज के अवैध उत्खनन में जप्त कर थाना शिवपुर की अभिरक्षा में सुरक्षार्थ रखा गया है एवं ग्राम-मरोड़ा से 01 पोकलेन मशीन एवं 02 डम्पर MP05G7019, MP04HE2616 को मिट्टी खनिज के अवैध उत्खनन में जप्त कर थाना रामपुर गुर्रा की अभिरक्षा में सुरक्षार्थ रखा गया है। 05 मार्च 2025 को ग्राम-केसला से 01 ट्रेक्टर ट्राली को रेत खनिज के अवैध उत्खनन / परिवहन में जप्त कर थाना केसला में सुरक्षार्थ रखा गया है। 06 मार्च 2025 को ग्राम-नाहरकोला से 01 लोडर, 01 ट्रेक्टर ट्राली एवं 07 मार्च 2025 को ग्राम-गुरंजघाट से 01 ट्रेक्टर ट्राली तथा ग्राम-अमलाड़ाकलॉ से 01 ट्रेक्टर ट्राली को रेत खनिज के अवैध उत्खनन / परिवहन में जप्त कर थाना शिवपुर की अभिरक्षा में सुरक्षार्थ रखा गया है।

उक्त कार्यवाही कुल 18 वाहन और मशीनें जब्त की गई हैं। इन कार्यवाहियों में दिवेश मरकाम जिला खनि अधिकारी, नायब तहसीलदार इटारसी, पिंकी चौहान खनि निरीक्षक, कृष्णकांत सिंह परस्ते प्र0 खनि निरीक्षक, हेमन्त राज खनिज सिपाही एवं होमगार्ड बल उपस्थित रहा।

जब्त किए गए वाहनों के खिलाफ मध्य प्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन और भंडारण का निवारण) नियम 2022 के तहत कार्रवाई की जा रही है।

आजीवन समर्पण निधि का लक्ष्य किया पूरा, राशि जमा कराई

इटारसी, दोपहर मेट्रो

भारतीय जनता पार्टी समर्पण निधि अभियान का कार्यक्रम चल रहा है, प्रत्येक मंडल को समर्पण निधि का लक्ष्य संगठन ने दिया है। भाजपा नगर मंडल पुरानी इटारसी ने यह लक्ष्य पूर्ण करते हुए शुक्रवार को समर्पण निधि की राशि पार्टी की जिला अध्यक्ष श्रीमती प्रीति पवन शुक्ला को जमा कराई। जिला अध्यक्ष श्रीमती शुक्ला ने मंडल अध्यक्ष मयंक मेहतो सहित मंडल के प्रत्येक वरिष्ठ व कनिष्ठ कार्यकर्ता को धन्यवाद ज्ञापित किया है और उनके कार्य की सराहना की है। इस अवसर पर पूर्व जिला अध्यक्ष माधवदास अग्रवाल,अभियान जिला प्रभारी विवेक गौर,भाजपा जिला मंत्री उमेश पटेल,भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिला अध्यक्ष जयकिशोर चौधरी,आजीवन सहयोग निधि मंडल प्रभारी पंकज मणि पहाड़िया,भाजपा मंडल अध्यक्ष मयंक मेहतो उपस्थित रहे।

सहजपुर इमलीडोल मार्ग 407 वाहन पलटने से घायल की इलाज के दौरान मौत, मरने वालों की संख्या हुई 2

तेन्दूखेड़ा। बुधवार की रात तेन्दूखेड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले सहजपुर इमलीडोल मार्ग पर स्थित चमक भटरिया घाट पर बारात लेकर वापस आ रहे 407 वाहन पलटने से एक की मौत हो गई थी जबकि तीन अन्य लोगों का इलाज जबलपुर मेडिकल कॉलेज में चल रहा है जहां गुरुवार शुक्रवार की देर रात देवी सींग गौड़ उम्र 70 वर्ष ने भी इलाज के दौरान दम तोड दिया है हादसे में मरने वालों की संख्या एक से बढ़ कर 2 पहुंच गई है वहीं अन्य दो लोगों का इलाज मेडिकल कॉलेज में चल रहा जहां दोनों की हालत नाजुक बनी हुई है तेन्दूखेड़ा पुलिस द्वारा वाहन जब्त आगे की कार्रवाई की जा रही है

हार्वेस्टर एवं भूषा मशीन के मालिक एवं चालक के लिए जारी किए आदेश

आदेश का उल्लंघन करने पर धारा 163 के तहत की जाएगी कार्यवाही

नर्मदापुर, दोपहर मेट्रो

नर्मदापुरम जिले में रबी फसल 2025 की कटाई का कार्य प्रारंभ होने जा रहा है। फसल कटाई के दौरान कृषकगण मुख्यतः भूसा मशीन एवं हार्वेस्टर का उपयोग बिना सुरक्षात्मक उपायों के बहुतायत में करते है। प्रायः सुरक्षा का पर्याप्त इंतजाम न होने के कारण हार्वेस्टर से उत्पन्न होने वाली चिंगारी से खड़ी फसलों में आगजनी की घटनाएं होती हैं, जिससे स्वयं किसान के अतिरिक्त पड़ोसी कृषकों की फसल का भी नुकसान होता है।

अतः उक्त बात को दृष्टिगत रखते हुए अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी नर्मदापुरम डी.के. सिंह ने हार्वेस्टर तथा भूषा मशीन के मालिक एवं चालक के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 की शक्तियों का प्रयोग करते हुए आदेश जारी किया है। जारी आदेशानुसार भूसा मशीन का उपयोग प्रातः 11.00 से सांय 05.00 बजे तक प्रतिबंधित रहेगा।

समस्त हार्वेस्टर मालिक/चालक जिले में स्थित किसी भी पुलिस थाने में अपना पंजीयनमय नाम, पता एवं मोबाईल नंबर दर्ज करायेगें। फसल कटाई के दौरा हार्वेस्टर मालिक/चालक को दो अग्निशामक यंत्र चालू अवस्था में तथा अन्य सुरक्षात्मक उपायों को कार्य के दौरान साथ में रखना अनिवार्य होगा। भूसे की मशीन का उपयोग 02 अग्निशामक यंत्रों के किया जावेगा, बिना अग्निशामक यंत्र/सुरक्षात्मक उपायो के भूसा मशीन का उपयोग किया जाना निषेध होगा।

रात्रि में हार्वेस्टर दवारा फसल कटाई अथवा भूसा मशीन का उपयोग संबंधित ग्राम पंचायत के सरपंच एवं सचिव अथवा कोटवार को पूर्व सूचना देकर ही किया जा सकेगा। हार्वेस्टर/भूसा मशीन के मालिक/चालक के बिना अग्निशामक यंत्र/सुरक्षात्मक उपायों के फसल कटाई/भूसा बनाने का कार्य न करें, एवं संबंधित ग्राम की समस्त फसल कटाई उपरांत ही भूसा मशीन का उपयोग किया जावे।

उक्त आदेश का उल्लंघन करने पर भारतीय नागरिक सुरक्षा 2023 की धारा 163 के तहत कार्यवाही की जाएगी।

फसल कटाई के दौरान अग्नि दुर्घटनाएं रोकने प्रतिबंधात्मक आदेश जारी

नरवाई में आग लगाना प्रतिबंधित

नर्मदापुरम। जिले में रबी फसल कटाई के दौरान अग्नि दुर्घटनाओं को रोकने के लिए अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी नर्मदापुरम श्री डी.के. सिंह ने प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। जारी आदेशानुसार नर्मदापुरम जिले की राजस्व सीमा में स्थित खेतों में खड़े डंठलों (नरवाई) में आग लगाना प्रतिबंधित किया गया है। इस आदेश का मुख्य उद्देश्य लोक प्रशांति और सुरक्षा को बनाए रखना है, क्योंकि अग्नि दुर्घटनाएं जनहानि, पशुहानि और खलिहान में रखी एवं खड़ी फसलों के जलने की संभावना को बढ़ा सकती हैं। यह आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 के अंतर्गत जारी किया गया है, और इसका उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध धारा 223 के अंतर्गत कार्यवाही की जाएगी।

वरिष्ठ कृषक पटेल को श्रद्धांजलि देने कल रोहना ग्राम पहुंच रहे ग्रामीण

नर्मदापुरम। जिंदगी और मौत ऊपर वाले के हाथ में है.जीवात्मा तो उसके हाथ की कठपुतली है.कौन कब उठेगा यह कोई नहीं जान सकता.सांसारिक जीवन यात्रा में आवागमन का दौर तो निरंतर जारी रहता है लेकिन इस यात्रा को समझना और उस समझ की समझ को जीवन में रूपांतरित करना एक विलक्षण बात है।ऐसे ही विलक्षण व्यक्ति थे राधेश्याम पटेल जो ग्रामीण क्षेत्र के एक दुर्लभ और अनबूझ व्यक्तित्व के रूप में विख्यात थे. उनकी दार्शनिक जीवन शैली बुद्धिजीवियों की समझ को आइना दिखाती थी.

राधेश्याम पटेल कृषि के क्षेत्र में हमेशा नये नये प्रयोग को अंगीकार करते हुए कृषि को लाभ का जरिया बनाने के लिए अग्रसर रहते थे. कोई जब भी उनसे उनकी इस प्रकार की अबूझ कार्य शैली को लेकर प्रश्न करता तो वह कहते थे. तुम नहीं समझोगे. संसार हमेशा एक ही ढर्रे पर चलने के लिए गतिशील रहता है. नए प्रयोग करने की उसमें जिज्ञासा ही नहीं रहती।

दिव्यांग बच्चों को मिली सुगम्य यात्रा की सौगात

जिला पंचायत सीईओ ने हरी झंडी दिखा कर यात्रा का किया शुभारंभ

बच्चों को शहर के सार्वजनिक शासकीय कार्यालयों, सार्वजनिक पार्क आदि का भ्रमण कराया

नर्मदापुर, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश शासन सामाजिक न्याय विभाग द्वारा दिव्यांग व्यक्तियों को अधिक से अधिक सुगम्य वातावरण प्रदान करने दिव्यांगता के क्षेत्र में संचालित अशासकीय संस्थाओं के दिव्यांग छात्र-छात्राओं को शहर के सार्वजनिक शासकीय कार्यालयों, सार्वजनिक पार्क आदि का भ्रमण कराया जाकर, उन्हें इन स्थानों पर उपलब्ध सुगम्य वाधारहित आवागमन का अवलोकन कराये जाने के निर्देशों के अनुपालन में सुगम्य यात्रा का आयोजन किया गया।

सामाजिक न्याय विभाग द्वारा मान्यता प्राप्त अशासकीय संस्थाओं में अध्ययनरत दिव्यांग छात्र-छात्राओं की सुगम्य वाधारहित यात्रा का आयोजन शुक्रवार 07 मार्च को प्रातः 11.30 बजे से किया गया। यात्रा का शुभारंभ अपर कलेक्टर (विकास) एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नर्मदापुरम, सौजान सिंह रावत द्वारा जिला पंचायत कार्यालय से हरी झंडी दिखाकर किया गया एवं सुगम्य यात्रा की शुभकामनाएं दी गई। इसके बाद, दिव्यांग बच्चों को कलेक्ट्रेड कार्यालय, जिला अस्पताल परिसर में निर्मित दिव्यांग अनुभूति पार्क एवं जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र नर्मदापुरम का भ्रमण कराया गया।

कार्यक्रम के दौरान, दिव्यांग बच्चों को शासन की योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई और उन्हें सल्पाहार का वितरण किया गया। कार्यक्रम में दिव्यांगता के क्षेत्र में कार्यरत विभागीय मान्यता प्राप्त अशासकीय संस्थाओं, डीडीआरसी एवं सामाजिक न्याय विभाग के कर्मचारियों द्वारा आवश्यक सहयोग किया गया।

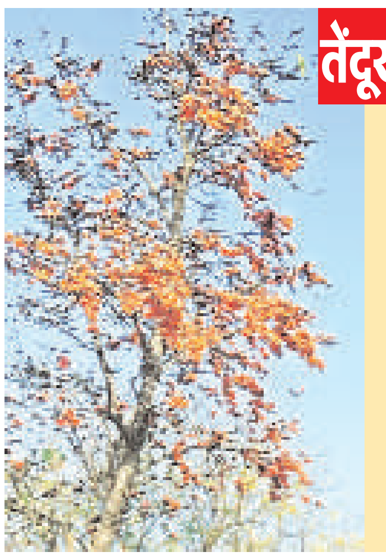

तेंदूखेड़ा के जंगलों में टेसू के फूलों की आई बहार

तेंदूखेड़ा। इन दिनों वन परीक्षेत्र की जंगलों में सुंदर नजारा बना हुआ है जैसे जैसे गर्मी अपना तेवर दिखाते जा रही है वैसे वैसे यह प्राकृतिक टेसू के फूल अपने रंग बिखरते जा रहा है। फिलहाल तो अभी पेड़ों में इनका खिलना शुरू है यह फूल होली के त्यौहार का प्रतीक माना जाता है। वहीं होली पर खास कर इन फूलों को देखा जाता है जैसे जैसे होली नजदीक आती जा रही है वैसे वैसे इन फूलों पर भी रंग चढ़ते हुए देखा जाता है टेसू के फूल के पेड़ क्षेत्र के जंगलों में अधिक लगे हुए हैं जहाँ पर सेकड़ों जंगली व अन्य पेड़ लगे हैं वही पलाश का पेड़ भी अलग रूप में अलग ही दिख रहा है टेसू के फूल पेड़ पर लगे देखकर लोग सेल्फी ले रहे हैं। वही इन फूलों की आवक मार्च अप्रैल माह में ही होती है वही बुजुर्गो से मिली जानकारी में बताया कि यह फूल होली का भी प्रतीक है दुख सुख की होली को ध्यान में रखते हुए परम्परागत इन टेसू के फूलों को सुखाकर देशी गुलाल बनाया जाता जो कि प्राकृतिक रूप से रहता है इस फूल की अलग ही अपनी छवि दिखाई देती है इन दिनों तेन्दूखेड़ा उप वन मंडल के चारों रेंजों में इन फूलों को देखा जा रहा है

मंत्री प्रहलाद पटेल के समर्थकों ने पटवरी का पुतला फूंका, राज्यपाल के नाम एसडीएम को ज्ञापन

तेंदूखेड़ा। केबिनेट मंत्री प्रहलाद पटैल के समर्थको के द्वारा सबसे पहले तारादेही चैराहे पर जीतू पटवारी का पुतला फूका इसके बाद राज्यपाल के नाम एसडीएम को सोपा जिसमें उल्लेख किया है कि विगत दिवस नगर पालिका दमोह में आयोजित रानी अवंतीबाई लोधी की प्रतिमा स्थापना समारोह आयोजित किया गया था, जिसमें समस्त लोधी समाज के लोगों को तथा प्रहलाद सिंह पटैल केबिनेट मंत्री म.प्र. शासन को भी समाज के नेता होने के नाते बुलाया गया था। उक्त कार्यक्रम किसी भी प्रकार से न तो शासकीय था और न ही राजनैतिक था, जिसमें प्रहलाद सिंह पटैल ने समाज के लोगों को संबोधित किया था और उन्होंने कबीरदास जी की कविता की इन लाईनों को कि मांगन मरन समान है मति मांगो कोई भीख, मांगन से मरना भला, यही सद्गुरू की सीख को समझाते हुए समाज के लोगों को सबल एवं सक्षम बनाने हेतु प्रेरित किया था। उनका उद्देश्य किसी का निरादर करना नहीं था, बल्कि समाज के लोगों को स्वाबलंबी बनने हेतु प्रेरित करना था। उन्होंने आम जनता के लिए कोई अप्रिय बात नहीं की थी, परंतु बिना प्रहलाद पटैल का पक्ष सुने. कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी एवं कांग्रेस के नेताओं ने प्रहलाद पटेल के उक्त कविता में वर्णित बातों को तोड़ मरोड़कर पेश करके मीडिया एवं जनता को भ्रमित करने की कोशिश की जा रही है तथा प्रहलाद पटैल की छवि को धूमिल करने की कोशिश की जा रही है। प्रहलाद पटेल क्षेत्र की जनता के सर्वमान्य नेता हैं, जिन्होंने कभी भी कोई ऐसी बात नहीं कहीं जिससे आम जनता को ठेस पहुंचे। कांग्रेस पार्टी एवं उनके नेताओं के द्वारा झूठे आरोप लगाकर प्रहलाद पटैल की छवि धूमिल करने की कोशिश की गई है, जिससे समस्त जिले के उनके समर्थक आहत एवं दुखी हैं। जीतू पटवारी एवं कांग्रेस पार्टी प्रहलाद पटैल से माफी नहीं मांगते हैं, तो हम समस्त समर्थकगण घनघोर आंदोलन करने विवश होंगे

मेट्रो एंकर ग्रामीण विकास समिति के तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में महिला सम्मलेन आयोजित

जैविक खेती में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिला किसानों को किया सम्मानित

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

ग्रामीण विकास समिति के तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में महिला सम्मलेन का आयोजन कृषि उपज मंडी तेंदूखेड़ा प्रांगण में किया गया। इस अवसर पर विदिशा की जलवायु परिवर्तन विशेषज्ञ पीयूषा यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में तेंदूखेड़ा ब्लॉक के 30 गांवों से 500 से अधिक महिलाओं ने सक्रिय भागीदारी रही। हर नारी, बराबर की अधिकारी विषय पर विचार रखे। साथ ही, जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता पर विशेषज्ञों ने अपने महत्वपूर्ण विचार प्रस्तुत किए। महिला किसानों और प्राकृतिक एवं जैविक खेती में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिला किसानों को साल और श्रीफल देकर सम्मानित किया गया।

वहीं, स्वरोजगार में उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिलाओं को महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम के अंत में कॉलेज छात्राओं ने महिला सशक्तिकरण पर रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिन्हें सभी ने सराहा। यह आयोजन महिलाओं को प्रेरित करने और उनके योगदान को सम्मानित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।इस कार्यक्रम में पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अनीता ठाकुर, पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष कौशल्या मेंमार, जनपद सदस्य साधना ठाकुर धनगौर, लक्ष्मी ठाकुर सहजपुर, प्रभारानी नरगुवा, सरपंच सुशील ठाकुर पिंडरई, आरती ठाकुर नरगुवा, नीता वेन बैलवाड़ा, ऋचा लोधी, डॉ मनीषा कुमारिया अमर वीरांगना रानी दुर्गावती महाविद्यालय की प्रोफेसर, कृषि विस्तार अधिकारी प्रिया तिवारी, विमला ठाकुर पर्यवेक्षक महिला वाल विकास एवं छात्राओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।

महिला सभा एवं विशेष ग्राम सभा सह प्रशिक्षण कार्यक्रम होगा आयोजित

नर्मदापुरम। शासन के निर्देशानुसार अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जिले में दो विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। पहला कार्यक्रम जिले की सभी ग्राम पंचायतों में महिला सभा का आयोजन होगा, जो एक सामान्य महिला सभा होगी। दूसरा कार्यक्रम जिला नर्मदापुरम में चयनित आदर्श महिला हितैषी ग्राम पंचायत धामनिया जनपद पंचायत सिवनीमालवा में विशेष ग्राम सभा सह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।कार्यक्रम में समाज के प्रतिष्ठित नागरिक, स्थानीय गणमान्य व्यक्ति और निर्वाचित जन प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे। तत्संबंध में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नर्मदापुरम ने समस्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत जिला नर्मदापुरम को निर्देशित किया है कि वे शासन के दिये गये निर्देशानुसार उक्त कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए आवश्यक कार्यवाही करना सुनिश्चित करें।

मंडी में व्यापारी, किसान परेशान , 2 दिन में सुधार करने का व्यापारियों ने दिया अल्टीमेटम

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

फसल कटाई के साथ ही मंडी की आवक में ही वृद्धि हो रही है। 2 दिन पहले ही एसडीएम में मंडी का निरीक्षण करके सचिव और स्टाफ को चेतावनी देकर की व्यवस्थाओं में बदलाव करने के निर्देश दिए थे। दो दिन बाद हीं हालात पुराने बन गए मंडी के कप्तान से लेकर अधिकांश स्टाफ शुक्रवार को गायब था इस कारण से व्यापारियों से लेकर किसानों को भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा इससे नाराज होकर मंडी में अव्यवस्था के विरोध में अनाज तिलहन व्यापार संघ ने मंडी सचिव के नाम पत्र देते हुए अध्यक्ष समीर ने कहा कि

■ एसडीएम के निरीक्षण करने के बाद सचिव और स्टाफ को चेतावनी देकर की व्यवस्थाओं में बदलाव करने के निर्देश के बाद भी नहीं सुधरे हालात

विगत 1 महीने से मंडी में अवस्थाओं का अंबार लगा हुआ है मंडी समिति को बार-बार अवगत कराने के बावजूद समस्याओं का कोई समाधान नहीं हो पाया, मात्र 10 कर्मचारियों के भरोसे एवं दो मशीनों के माध्यम से सौदा पत्रक काटा जा रहा है। इस वजह से ,व्यापारी और किसान को एक-एक घंटे देरी से पर्ची मिल रही है।इसमें 100 से लेकर 500 तक की भूल चूक हो रही है , आए दिन किसान और व्यापारियों में विवाद हो रहा है मंडी में 50 कर्मचारी होने के बावजूद मात्र 10 कर्मचारियों की उपस्थिति मंडी की व्यवस्था पर गंभीर प्रश्न चिन्ह लगती है।मंडी में सफाई की व्यवस्था बिल्कुल ठप है इतना सब होने के बाद भी व्यापारी अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह करते हुए मंडी की नीलामी में भाग ले रहे हैं।

परंतु पत्र के माध्यम से मंडी समिति को दो दिन का अल्टीमेटम दिया है अगर व्यवस्था नहीं सुधरी तो व्यापारी सोमवार से नीलामी में भाग नहीं लेंगे।इस दौरान,राजेश मित्तल, कमलेश जैन, राजेश जैन,मोंटू जैन ,लोकेश जैन ,मनीष जैन, प्रेमचंद जैन ,पप्पू साहू ,गगन तरण आदि व्यापारी मौजूद थे।

बेतवा पर नवनिर्मित पुल पर स्लैब रखना हुआ शुरू

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

सिरोंज रोड बेतवा पर नवनिर्मित पुल का काम चल रहा हैं। जिसका निर्माण कार्य जोरो पर हैं पुल पर स्लैब रखने का काम शुरू हो गया है। लिफ्टिंग क्रेन मशीनों के द्वारा स्लैब रखें जा रहे है। पुल का निर्माण होने लोगों को बारिश के समय में आने जाने में कोई परेशानी नहीं होगी। क्योंकि अभी थोड़ी बारिश होते ही बेतवा का पुल डूब जाता था। जिससे पुल पर आवागमन बंद हो जाता था। बारिश में सबसे ज्यादा परेशानी होती थी क्यों कि बासौदा से अंबानगर को जोड़ने वाला मुख्य सड़क मार्ग है। लेकिन अब पुल का निर्माण होने से लोगों को बारिश के समय में आने जाने में अब रुकना नहीं पड़ेगा।

विदिशा की विरासत को देखने पर्यटक आएं के प्रबंधों में वृद्धि हो

विदिशा। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह से शुक्रवार को विदिशा विरासत ग्रुप के प्रतिनिधियों ने सौजन्य मुलाकात की और जिले के पर्यटक स्थलों पर दर्शनार्थी अधिक से अधिक आएं के लिए किए जाने वाले प्रबंधो से अवगत कराया है। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि सामान्यत: पर्यटकगण सांची तक आते है किन्तु विदिशा जिले के पर्यटक क्षेत्रो तक उन्हें आने जाने के बेहतर प्रबंध नहीं होने के कारण वे सुगमता से पहुंचते नहीं है अत: सबसे पहले जिले के पर्यटक स्थलों के व्यापक प्रचार प्रसार हेतु हर स्तर पर व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही है। पर्यटको को सुविधाएं मिले इसके लिए सर्किट हाउस में भी डिजाइन तैयार की जा रही है।

कस्बा ताल में एसएमडीसी के खाते से राशि निकालने की कलेक्टर से की शिकायत

मेकर, अप्रूवर एवं वेरीफायर में एक ही नंबर दर्ज, प्राचार्य ने आरोपों को बताया बेबुनियाद

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

शासकीय हाई स्कूल कस्बा ताल में वित्तीय अनियमितता करके एस एमडीसी खाते से राशि का फर्जी साइन से करके सामग्री खरीदने के आरोप लगाते हुए कलेक्टर से शिकायत की गई है। प्राचार्य ने शिकायतकर्ता पर झूठे आरोप लगाने की बात कही है। स्कूल में शासन की राशि में गड़बड़ी करने की शिकायत भी इसी स्कूल में लैब इंस्ट्रक्टर के पद पर नियुक्त ऋषिता पटेल ने प्रभारी प्राचार्य पर उसके फर्जी हस्ताक्षर कर एसएमडीसी खाते से राशि निकालने के आरोप लगाते हुए जांच करके दोषियों पर कार्रवाई करने की मांग की है। कलेक्टर के अलावा

इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी को भी एक आवेदन दिया गया जिसमें उन्होंने बताया कि मुझे सूचना दिए बगैर मुझे ऑनलाइन एसएमडीसी खाते में

लिपिक के रूप में जोड़ा गया है। जबकि संस्था में पहले से दो नियमित माध्यमिक शिक्षक पदस्थ हैं उसके बाद मेरा नाम लिपिक के नाम पर जोड़ा गया जिसमें मोबाइल नंबर प्राचार्य ने खुद अपना दर्ज किया है जिससे मेरे पास लेनदेन की कोई ओटीपी नहीं आती है।

अभी तक किए गए सभी लेनदेन के दस्तावेजों पर मेरे द्वारा कोई हस्ताक्षर नहीं की है सभी हस्ताक्षर मेरे नाम के फर्जी रूप से अन्य व्यक्ति द्वारा किए जा रहे हैं। पूरे मामले की निष्पक्ष रूप से जांच कर फर्जी साइन से राशि निकालकर सामग्री खरीदने का काम किया है तो इनके ख़िलाफ़ नियम अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए दूसरी ओर एमसीडी के पैनल में जिसको शामिल किया गया वहां परमानेंट नहीं है इसके बाद भी जिले से जोड़ दिया गया है। ऐसा काम अन्य स्कूलों में भी किया गया है शासन से आने वाली इस राशि से सामग्री खरीदी करने का कार्य संस्था करती है और पुरी राशि खर्च करने का ऊपर से दबाव भी होता है।

50 हजार की राशि शासन देती है

सरकार के द्वारा स्कूलों के मेंटेनेंस से लेकर खेल सामग्री और अन्य सामान खरीदने के लिए इन स्कूलों को 50000 की राशि प्रत्येक वर्ष दी जाती ऊपर से राशि को खर्च करने के लिए बार-बार इनको निर्देशित किया जाता है। वहीं अधिकांश स्कूलों में इस राशि का सदुपयोग नहीं किया जाता है गड़बड़ी होती है। निमित्त लिपिक की जगह पर अस्थाई रूप से कार्य करने वाले कर्मचारी को तीन लोगों के पैनल में शामिल किया गया है।

स्कूल से तीन लोगों का पैनल बनाकर भेजा जाता है उसमें प्राइवेट व्यक्ति का नाम शामिल था इसकी जानकारी जिले के अधिकारियों को थी तो उन्होंने इस बात पर ध्यान क्यों नहीं दिया अगर जांच उच्च स्तरीय समिति से होगी तो सच्चाई सामने आएगी नहीं तो मामला रफा दफा हो जाएगा।

इनका कहना है

जो कंप्यूटर में दक्ष होता है उसका नाम पैनल में भेजा था नाम जोड़ने का काम जिले से ही होता है हमने कोई राशि नहीं निकली है आरोप बेबुनियाद है।

-जगदीश साहू, प्राचार्य कस्बा ताल हाय सकेंडरी स्कूल

मामला मेरे संज्ञान में है जांच करवा रहे हैं नोटिस भेजा रहें हैं।

- रामकुमार ठाकुर जिला शिक्षा अधिकारी

सिद्धेश्वर महादेव मंदिर के पीछे नपा बनवाएगी गीता भवन, नपा के बजट को प्रभावी बनाने बैठक संपन्न

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

नगरपालिका परिषद जल्द ही सिद्धेश्वर महादेव मंदिर धर्म कांटा के पीछे गीता भवन का निर्माण करेगी ताकि इसका लाभ आम नागरिकों को मिल सके। इस निर्माण के लिए लगभग 8 बीघा जमीन देख ली गई है। शुक्रवार को मूलीबाई धर्मशाला में नगर पालिका के बजट सत्र 2025-2026 को प्रभावी बनाने के लिए एक बैठक आयोजित की गई। जिसमें में विधायक हरिसिंह रघुवंशी ने कहा कि नगर पालिका परिषद बहुत अच्छा काम कर रही है सभी वार्डों में विकास कार्य किए जा रहे हैं। ढाई साल के कार्यकाल में सीसी निर्माण, नाली निर्माण, सौंदर्यकरण, बाईपास निर्माण स्वच्छता के लिए कार्य किए जा चुके हैं। आगामी ढाई साल बाद आपको बदला बदला नगर गंजबासौदा नजर आने लगेगा। विधायक ने कहा कि जनता समय पर अपने टैक्स का भुगतान करें। आम नागरिकों को भी जिम्मेदारी निभाना होगी। मैं स्वयं नगर पालिका अध्यक्ष शशि अनिल यादव सहित पूरी परिषद के साथ कंधे से कंधा मिलाकर विकास कार्य को प्राथमिकता दे रहा हूं।

नगरपालिका अध्यक्ष शशि अनिल यादव ने कहा कि नगर पालिका द्वारा एक-एक कार्य जनता के हित में किए जा रहे हैं और मैं यह आशा रखती हूं कि जनता की भावनाएं भी हमारे हित में हो। नगर का कोई भी काम विधायक की सहमति के बिना नहीं किया जा रहा है और उन्हीं के सहयोग से ही नगर विकास की ओर अग्रसर है। नगर में फीडबैक फाउंडेशन कचरे को संग्रहण कर उससे आय के स्रोत बढ़ा रही है। यकीनन पहले की अपेक्षा अब जगह-जगह गंदगी और कचरा पड़ा दिखाई नहीं देता है।

नपा सांसद प्रतिनिधि देवेंद्र यादव ने कहा कि नगर में जल्द अलग-अलग सड़कों पर हॉकर जोन बनाए जाएंगे। विश्राम गृह को नपा के आधिपत्य में लेने का प्रयास जारी है और भविष्य में वहां दुकानें बनाकर आम नागरिकों को दी जाएगी। मदन भैया पार्क में चौपाटी का निर्माण कराया जाएगा ताकि नपा की आय में वृद्धि हो और नागरिक अपने परिवार के साथ वहां जाकर कुछ समय बिता सकें। नगर पालिका परिषद के सहायक लेखापाल पुष्पेंद्र अहिरवार ने बजट सत्र पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पिछले साल 85 करोड़ का बजट रखा गया था। इस साल यह और भी प्रभावी रहेगा। नगर पालिका को जो सभी करों से जो आए होती है उसके माध्यम से ही विकास कार्य कराए जाते हैं। उन्होंने उपस्थित जन समुदाय से करों का भुगतान समय पर करने का अनुरोध किया।

फीडबैक फाउंडेशन के पीयूष कुमार ने बताया कि उनकी संस्था नो प्रॉफिट नो लॉस्ट पर काम कर रही है। यही नहीं पहले जहां कचरे को टचिंग ग्राउंड पर केवल फेंक दिया जाता था। आज संस्था द्वारा इस कचरे से आय के साधन जुटाकर नपा की आय में वृद्धि की जा रही है। इस कचरे से खाद बनाई जा रही है और आगामी कुछ समय में नगर गंजबासौदा को कचरा मुक्त कर दिया जाएगा।

बजट सत्र को प्रभावी बनाने यह बातें निकाल कर आई सामने

- वरिष्ठ भाजपा नेता मनोज यादव ने कहा कि नगर के मवेशियों के लिए नपा को अपने बजट में गौशाला का प्रावधान रखना चाहिए।
- नगर पालिका परिषद के पास स्वयं का बड़ा भवन होना चाहिए जहां सार्वजनिक कार्यक्रम, बैठक आदि संचालित हो सके।
- नगर पालिका द्वारा लिए जा रहे सफाई कर में कुछ आंशिक कटौती की जाए। ताकि जनता को लाभ मिल सके।
- सकरी गलियों मैं कचरा इकट्ठा करने के लिए ई रिक्शा भी खरीदा जाए।
- विद्युत मंडल वाली लाइन और गवर्नमेंट स्कूल वाली लाइन पर नपा छोटी-छोटी दुकान बनवाएं और इन दुकानों को वहां रोजगार कर रहे नागरिकों को दी जाए।
- बरेठ रोड पर सड़क के बीच में डिवाइडर जल्द से जल्द बनाए जाएं।

अष्टाह्निका महापर्व के अवसर पर सिद्ध चक्र महामंडल विधान हुआ प्रारंभ

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

जैन समाज की पूजनीय आर्यिका रत्न श्री सृष्टी भूषण माताजी के ससंघ सान्निध्य में अष्टाह्निका महापर्व के सुअवसर पर श्री चन्द्र प्रभ जिनालय कठाली बाजार में श्री सिद्ध चक्र महामंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ का शुभारंभ किया गया।

सर्व प्रथम ध्वजारोहण राजीव जैन बंटी परिवार द्वारा किया गया।सौधर्म इन्द्र सवाई सिंघई डीके जैन, मैना सुन्दरी श्रीपाल कुवेर संदीप कल्पना विजय राज,महायज्ञ नायक विजय को बनने का सौभाग्य मिला।देव आज्ञा, गुरु आज्ञा, ध्वजारोहण,मंडप शुद्धि, मंडल शुद्धि, इन्द्र प्रतिष्ठा, दिक वंदना, रक्षामंत्र, शांति मंत्र,अभिषेक, शांति धारा, आरती,देव शास्त्र गुरु पूजन, नंदीश्वर पूजन एवं विधान के साथ आठ अर्घ्य समर्पित कर सिद्ध भगवान की आराधना की गई।

अनुष्ठान आठ दिन तक चलेगा, प्रतिदिन द्विगुणित विस्तार के साथ सिद्धों की आराधना होगी।शाम 6.30 बजे से आचार्य भक्ति आनंद यात्रा, आरती प्रवचन तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। सम्पूर्ण अनुष्ठान माताजी के सान्निध्य में, ब्रह्मचारी जीतू भैया,पं देवेन्द्र,पं बागमल जैन के द्वारा संपन्न कराए जा रहे है।

मेट्रो एंकर भाजपा संगठन द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर कार्यकर्ताओं से समर्पण राशि एकत्रित करने अभियान

निधि प्रभारी को मंडलों के कार्यकर्ताओं ने सौंपी आजीवन सहयोग निधि

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी संगठन द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर होने वाले आजीवन सहयोग निधि के रूप में कार्यकर्ताओं समर्पण राशि एकत्रित करने का के लिए जिला अभियान प्रभारी श्यामसुंदर शर्मा आए देवपुर मंडल एवं चितावर मंडल की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए श्री शर्मा ने कहा कि कार्यकर्ताओं के समर्पण और त्याग के कारण ही आज विश्व में भाजपा सबसे बड़ा राजनैतिक संगठन है। उन्होंने शेष बचे सभी कार्यकर्ताओं से समय पर अपनी निधि के समर्पण करने का आव्हान भी किया। क्षेत्रीय विधायक

उमाकांत शर्मा ने भी सहभागिता की उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन के मूल्यों, पंचनिष्ठाओं तथा संघर्ष के दौर में डॉ मुखर्जी,दीनदयाल उपाध्याय,अटल बिहारी वाजपेयी, कुशाभाऊ ठाकरे, राजमाता सिंधिया सहित अनेक नेताओं द्वारा संगठन को खड़ा करने में विपक्षी दलों से किए गए संघर्ष और योगदान के बारे में विस्तार से बताया। शाम को नगर मंडल की पृथक से बैठक आयोजित की गई। बैठक में कार्यकर्ताओं ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों को आत्मसात करते हुए अपनी निधि का समर्पण किया। सिरोंज लटेरी विधानसभा से करीब दस लाख की निधि कार्यकर्ताओं से जुटाने का लक्ष्य दिया गया है। तीनों मंडलों से अभी तक करीब पांच लाख रुपए की समर्पण निधि एकत्रित हुई। इस दौरान जिला पंचायत उपाध्यक्ष दरयाव सिंह कुर्मी, कैलाश शर्मा, हरि बाबू भार्गव, हमीर सिंह यादव, क जितेन्द्र बघेल, चरण सिंह राजपूत, झार सिंह दांगी, सीताराम कुशवाह, सुमंत मित्तल, हरिचरण अहिरवार , शिवकुमार भार्गव आदि मौजूद थे।

विधायक ने अधिकारियों की ली बैठक, समय सीमा में कार्य पूर्ण करने के दिए निर्देश

सिरोंज। शुक्रवार को एसडीएम कार्यालय के कक्षा में क्षेत्रीय विधायक उमाकांत शर्मा ने विभाग प्रमुखों की समीक्षा बैठक लेकर निर्माण कार्यों को समय सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के दिशा निर्देश संबंधित विभागों के अधिकारियों को दिए।श्री शर्मा ने विभाग बार निर्माण कार्यों की समीक्षा की जिसमें अधिकारियों ने अपने - अपने विभाग से संबंधित कार्यों से विधायक को अवगत कराया। वहीं मार्च में किसी कारण से बजट लैंप्स ना हो उस बात का भी ध्यान रखने के निर्देश भी दिए गए। इस दौरान हर्षल चौधरी, एसडीएम लटेरी विनीत तिवारी, सी ई ओ श्रीमती वंदना शर्मा, लटेरी सी ई ओ उदय प्रताप , सीएम ओ राम प्रसाद साहू आदि मौजूद थे।

2 टाइटल गंवाए, 1 खिताब जीता; 12 साल बाद चैंपियंस ट्रॉफी जीतने की उम्मीद

रोहित की कप्तानी में लगातार चौथा आईसीसी फाइनल खेलेगा भारत

नईदिल्ली, एजेंसी

रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम इंडिया आइसीसी टूर्नामेंट में लगातार चौथा फाइनल खेलेगी। चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में 9 मार्च को भारत का सामना दुबई में न्यूजीलैंड से होगा। रोहित टी-20 वर्ल्ड कप के रूप में एक ही खिताब जिता सके, उन्हें वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप और वनडे वर्ल्ड कप फाइनल में हार मिली। टीम इंडिया लगातार तीसरी बार चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में पहुंची है। टीम ने 2013 में खिताब जीता, लेकिन 2017 में पाकिस्तान के खिलाफ हार मिली। अब रोहित की कप्तानी में टीम के पास 12 साल बाद इस आईसीसी खिताब को जीतने का मौका है।

कप्तान रोहित ने 87 फीसदी आईसीसी मैच जिताए : रोहित शर्मा ने 2 टी-20 वर्ल्ड कप, 1 वनडे वर्ल्ड कप, 1 वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप और 1 चैंपियंस ट्रॉफी में भारत की कप्तानी की। इन 5 आईसीसी टूर्नामेंट में भारत ने 30 मैच खेले, 26 जीते और महज 4 में टीम को हार मिली। हालांकि, रोहित ने जो 4 मैच गंवाए, उनमें से 3 मुकाबले नॉकआउट स्टेज में रहे। इनमें भी 2 हार फाइनल में मिलीं। केवल 1 बार उन्हें एक ही टूर्नामेंट में 2 हार मिली, यह टूर्नामेंट 2022 का टी-20 वर्ल्ड कप था। तब टीम को ग्रुप स्टेज में साउथ अफ्रीका और सेमीफाइनल में इंग्लैंड ने हरा दिया था।

आईसीसी टूर्नामेंट में भारत के दूसरे सफल कप्तानः आईसीसी के 4 टूर्नामेंट होते हैं, वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप, वनडे वर्ल्ड कप, टी-20 वर्ल्ड कप और चैंपियंस ट्रॉफी। इनमें भारत के सबसे सफल कप्तान एमएस धोनी हैं। जिन्होंने टीम को 69त्न मैच जिताए। उनके नाम आईसीसी के 3 टाइटल भी रहे। रोहित मैच जीतने के मामले में दूसरे नंबर पर हैं। हालांकि, उनकी कप्तानी में टीम 1 ही टाइटल जीत सकी है।

वनडे टूर्नामेंट में रोहित को 93 फीसदी सफलता : आईसीसी के 2 वनडे टूर्नामेंट में रोहित ने 15 बार भारत की कप्तानी की। 14 में टीम को जीत और महज 1 में हार मिली। हालांकि, यह हार 2023 के वनडे वर्ल्ड कप फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से मिली। जिसने भारत से घर में हुए वर्ल्ड कप को जीतने का सपना छीन लिया था। रोहित ने 2017 में पहली बार भारत की वनडे कप्तानी की थी। उन्होंने तब से अब तक 55 मैचों में कप्तानी की और 41 में टीम को जीत दिलाई। टीम ने महज 12 मैच गंवाए। 1 मैच बेनतीजा और 1 टाई भी रहा। यानी सक्सेस रेट 75त्न का रहा। रोहित ने भारत को करीब 75त्न वनडे जिताए। 50 से ज्यादा वनडे में भारत को लीड करने वाले कप्तानों में यह बेस्ट जीत प्रतिशत है। 68त्न जीत के साथ विराट कोहली दूसरे और 55त्न जीत के साथ एमएस धोनी तीसरे नंबर पर हैं। हालांकि, धोनी इकलौते भारतीय कप्तान रहे, जिन्होंने भारत को 100 से ज्यादा वनडे जिताए।

चैंपियंस ट्रॉफी में रोहित ने सभी मैच जिताए: चैंपियंस ट्रॉफी में रोहित पहली बार कप्तानी कर रहे हैं। टीम ने अब तक 4 मुकाबले खेले और सभी में जीत हासिल की। इंडिया ने पहले दोनों मैच में बांग्लादेश और पाकिस्तान को 6-6 विकेट से हराया। तीसरे मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ रोहित ने 4 स्पिनर्स खिलाए और मुकाबला 44 रन से जीता। सेमीफाइनल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हुआ, यहां टीम ने अच्छी बैटिंग के दम पर 4 विकेट से मुकाबला जीता। चारों मैच दुबई में हुए, अब फाइनल भी दुबई में ही खेला जाएगा।

अपनी कप्तानी में 5 शतक लगाएः रोहित खुद की कप्तानी में सबसे ज्यादा वनडे रन बनाने वाले भारतीय हैं। उन्होंने 55 वनडे में 51.70 की औसत से 2430 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 5 शतक और 16 अर्धशतक भी लगाए। इसमें श्रीलंका के खिलाफ लगाया दोहरा शतक भी शामिल है। उनकी कप्तानी में विराट कोहली ने 1778 और शुभमन गिल ने 1756 वनडे रन बनाए।

42वीं रोइंग सीनियर नेशनल चैम्पियनशिप का समापन

सर्विसेज स्पोर्ट्स कन्ट्रोल बोर्ड आठ पदक प्राप्त कर बना ओवर ऑल चैम्पियन

ओल्ड ट्रैफर्ड (लंदन), एजेंसी

42वीं रोइंग सीनियर नेशनल चैम्पियनशिप 2025 का आयोजन बड़ी झील भोपाल में किया गया। सर्विसेज स्पोर्ट्स कन्ट्रोल बोर्ड आठ पदक प्राप्त कर ओवर ऑल चैम्पियन बना है। वहीं ऑल इण्डिया पुलिस 7 पदक लेकर द्वितीय और केरल 5 पदक के साथ तृतीय स्थान पर रहा। मध्यप्रदेश 1 रजत और 4 कांस्य सहित 5 पदकों के साथ 8वें स्थान पर रहा। खेल मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी। प्रतियोगिता का समापन समारोह मुख्य अतिथि संचालक खेल और युवा कल्याण म.प्र. डॉ. रवि कुमार गुप्ता की गरिमय उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। खेल संचालक ने प्रतियोगिता के सभी पदक विजेता खिला?ियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुये उन्हें पदक प्रदान कर सम्मानित किया। साथ ही प्रतिभागिता करने आये देश भर के खिलाड़ियों को भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए अपनी शुभकामनाऐं दी। रोइंग फेडरेशन ऑफ इण्डिया के चैयरमेन बालाजी मर्दपा एवं कॉम्पीटीशन डायरेक्टर स्माईल बेग, रोइंग संघ के पदाधिकारी, संयुक्त संचालक, खेल एवं अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे। उल्लेखीय है कि 3 मार्च प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रतियोगिता का शुभारंभ किया था। खेल मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने वॉटर स्पोर्ट्स को भोपाल में बढावा देने के लिए प्रतियोगिता आयोजित करने की पहल की थी। देश भर से लगभग 400 से ज्यादा खिलाड़ियों और 27 टीमों ने प्रतियोगिता में प्रतिभागिता की।

मेट्रो बाजार

फ्रेशर्स हायरिंग में 34 फीसदी हिस्सेदारी आइटी क्षेत्र की

नईदिल्ली, एजेंसी

भारतीय कंपनियों में फ्रेशर्स हायरिंग बढ़ने से फरवरी में सालाना आधार पर नियुक्तियों में 41 फीसदी का इजाफा हुआ है। जॉब कंसल्टिंग प्लेटफॉर्म फाउंडइट की रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले महीने फ्रेशर्स की हायरिंग भी 26 फीसदी बढ़ी। रिपोर्ट के मुताबिक, विभिन्न क्षेत्रों में आइटी, हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर क्षेत्र फ्रेशर्स हायरिंग के मामले में अग्रणी बना रहा। वर्ष 2024 में कुल नियुक्तियों में आइटी सेक्टर की हिस्सेदारी 17 फीसदी थी, जो 2025 की फरवरी में दोगुना होकर 34 फीसदी से भी अधिक हो गई। नियोक्ता व्यावहारिक विशेषज्ञता और उद्योग-संबंधित कौशल वाले उम्मीदवारों को अब प्राथमिकता दे रहे हैं। हालांकि फरवरी में बैकिंग-फाइनेंस, बीमा (बीएफएसआइ), बीपीओ और आइटीइएस जैसे क्षेत्रों में फ्रेशर्स की हायरिंग में गिरावट देखी गई। जॉब हायरिंग प्लेटफॉर्म इनडीड के सर्वे से पता चला है कि बड़ी संख्या में भारतीय कंपनियां कौशल आधारित नियुक्तियों पर जोर दे रही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, 80 फीसदी नियोक्ता डिग्री के मुकाबले प्रायोगिक कौशल और अनुभव को तवज्जो दे रहे हैं। इसके अलावा, करीब 60 फीसदी नियोक्ताओं को लगता है कौशल आधारित नियुक्ति कई उम्मीदवारों को सर्टिफिकेशन, विशेष प्रशिक्षण और काम को व्यावहारिक तरीके से सीखने के लिए प्रेरित करेगी। सर्वेक्षण में कहा गया है कि कंपनियों में नौकरी देने वाले 42 फीसदी प्रबंधकों ने जरूरी कौशल वाले अभ्यर्थियों को ढूंढने में कठिनाई महसूस होने की शिकायत की है। कंपनियां डिग्री की जरूरत को कम महत्व दे रही हैं और नौकरी विवरण का दोबारा मूल्यांकन कर रही हैं। प्रतिभाओं को आकर्षित करने के लिए भर्ती मानदंडों में भी बदलाव ला रही हैं।

आवासीय क्षेत्र का आउटलुक मजबूत

नईदिल्ली, एजेंसी

रियल एस्टेट के आवासीय क्षेत्र का आउटलुक काफी मजबूत माना जा रहा है। जनवरी-मार्च तिमाही में किए गए सर्वे में 73 फीसदी लोगों ने कहा कि अगले 6 महीने में मकानों की बिक्री बढ़ने की संभावना है। 82 फीसदी लोगों ने माना कि मकानों के दाम बढ़ेंगे और 80 फीसदी ने कहा कि नए प्रोजेक्ट की लॉन्चिंग बढ़ेगी। 65फीसदी रियल एस्टेट डेवलपर ने कहा कि अगले 6 माह में ऑफिस के रेंट में इजाफा होगा, जबकि दिसंबर तिमाही में केवल 53 फीसदी डेवलपर रेंट में इजाफे की उम्मीद कर रहे थे। रियल एस्टेट सेक्टर बूम पर है। 2024 की पहली तिमाही के लिए जारी नाइटफ्रैंक और नारेडको का रियल्टी सेंटिमेंट इंडेक्स 72 पर पहुंच गया है जो दिसंबर तिमाही में 69 पर था। नए लॉन्च, बिक्री में इजाफा और कीमतों में उछाल के चलते रियल एस्टेट का सेंटीमेंट एक दशक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है।

लंबाई बनी मजाक तो एथलीट बन मिसाल कायम की

रवि रोंगाली ने सिर्फ शॉट पुट ही नहीं, बल्कि बैडमिंटन और भालाफेंक में भी जीते हैं पदक

नईदिल्ली, एजेंसी

जिस इंसान की लंबाई सिर्फ 4.1 फीट हो, वो दुनिया के लिए मजाक का पात्र बन जाता है और लोग उसके बौनेपन को लेकर ताना कसते हैं। कुछ ऐसा ही रवि रोंगाली के साथ हुआ, लेकिन उन्होंने अपनी शारीरिक कमी को कमजोरी नहीं बनने दिया और पैरा एथलीट बनकर दुनिया को अपना दमखम दिखाया। हालांकि उनकी राह आसान नहीं रही पर कड़ी मेहनत और दृढ़संकल्प की बदौलत उन्होंने पेरिस पैरालंपिक खेलों में प्रतिनिधित्व करने अपना सपना भी पूरा किया। 29 वर्षीय रवि ने रविवार को विश्व पैरा

एथलेटिक्स चैंपियनशिप में शॉटपुट एफ-40 स्पर्धा में पेरिस पैरालंपिक खेलों का कोटा हासिल किया। रवि का जन्म विशाखापत्तनम के चिरिकिवनिपालेम गांव में हुआ। उनके माता-पिता किसान हैं। रवि के पिता डेमुडु बाबू ने कहा, बचपन से ही उसकी खेलों में रुचि थी। उसने स्थानीय प्रतियोगिताओं में अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन उसे वित्तीय मदद नहीं मिल रही थी। इस कारण हमने आधा एकड़ जमीन बेच दी ताकि वह खेल जारी रख सके। रवि कई विधाओं में पारंगत हैं। उन्होंने भले ही पैरालंपिक खेलों में शॉट पुट स्पर्धा का कोटा हासिल किया है।

3 मिनट 14.12 सेकेंड के साथ बादशाहत की कायम

एथलेटिक्सः भारत की रिले टीम ने जीता स्वर्ण पदक

बैकॉक. एजेंसी

मुहम्मद अजमल, ज्योतिका श्री, अमोज जैकब और सुभा वेंकटेशन की भारतीय 4 गुणा 400 मीटर मिश्रित रिले टीम ने यहां एशियाई रिले चैंपियनशिप 2024 में राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ते हुए स्वर्ण पदक जीता। टीम ने पिछले राष्ट्रीय रेकॉर्ड में 0.22 सेकेंड का सुधार करते हुए 3 मिनट 14.12 सेकेंड के साथ अपनी बादशाहत कायम की।

श्रीलंका ने रजत व वियतनाम ने कांस्य पदक हासिल किया।

चिदंबरम ने हासिल की 2700 रेटिंग

शतरंजः अरविंद शीर्ष और अर्जुन दूसरे स्थान पर कायम

शारजाह . एजेंसी

भारतीय ग्रैंड मास्टर अरविंद चिदंबरम शारजाह मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट के छठे दौर में अमरीका सैम शैंकलैंड के खिलाफ आसान ड्रॉ खेला और अपनी एकल बढ़त को बरकरार रखने में सफल रहे। छह बाजियों में पांच अंकों के साथ चिदंबरम 2700 रेटिंग अंक हासिल करने वाले शतरंज खिलाड़ियों की सूची में शामिल होने से दो अंक दूर है। वहीं,

शीर्ष वरीय अर्जुन एरिगैसी रूस के दानिल युफा पर शानदार जीत दर्ज करके संयुक्त दूसरे स्थान पर हैं।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

• फीस को लेकर हुआ विवाद

फिल्म 'हाउसफुल 5' का हिस्सा नहीं होंगे अनिल कपूर!

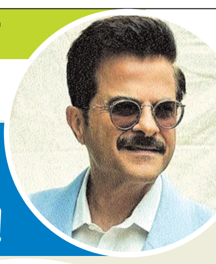

अक्षय कुमार स्टारर फिल्म 'हाउसफुल 5' की स्टारकास्ट को लेकर बदलाव हुआ है। फिल्म में अक्षय कुमार और रितेश देशमुख तो नजर आएंगे, लेकिन अब इस फिल्म में अनिल कपूर नजर नहीं आएंगे। जानें पीछे की वजह। अनिल बॉलीवुड के उन अभिनेताओं में से एक हैं, जिन्हें हर कोई चाहता है। अनिल की फिल्मों की रिलीज का आज भी दर्शक बेसब्री से इंतजार करते हैं। अनिल बॉलीवुड के उन अभिनेताओं में से हैं, जिनकी फिल्में उनके फैंस को बेहद पसंद हैं। अनिल फिल्म इंडस्ट्री के सबसे बेहतरीन और प्रतिभाशाली कलाकारों में से एक हैं। उन्होंने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री को एक से बढ़कर एक ब्लॉकबस्टर फिल्में दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अक्षय कुमार ने अब फिल्म 'हाउसफुल 5' को छोड़ दिया है। जानिए क्या है वजह। अक्षय कुमार और रितेश देशमुख स्टारर व्हाउसफुलज के 5वें सीक्वल का एलान पिछले साल दिसंबर में हुआ था। इस फिल्म में अक्षय और रितेश तो पहले से ही कंफर्म अभिनेता रहे हैं। दोनों ने अब तक चारों फिल्मों में साथ काम किया है, लेकिन फिल्म के बाकी कलाकारों में बदलाव होते गए हैं। हाल ही में अभिषेक कुमार ने कंफर्म किया था कि वह इस फिल्म में फिर से जुड़ रहे हैं। इससे पहले वह इसके तीसरे सीक्वल में नजर आए थे। वहीं, अनिल कपूर का भी नाम हाउसफुल 5 से जोड़ा गया। कहा जा रहा था कि वह इसमें खास रोल निभाते नजर आएंगे, लेकिन अब ऐसा नहीं होने वाला है। निर्देशक तरुण मनसुखानी की आगामी फिल्म 'हाउसफुल 5' की रिलीज का हर कोई बेसब्री से इंतजार कर रहा है। इस फिल्म में बाकी स्टारकास्ट के अलावा अनिल कपूर भी नजर आने वाले थे, लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अब इस फिल्म में अनिल कपूर नजर नहीं आएंगे, क्योंकि उन्होंने इस फिल्म को करने से साफ इंकार कर दिया है। इसकी वजह फिल्म में उनकी फीस बताई जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अनिल को उनके मन मुताबिक फीस नहीं मिल रही है।

> फिल्म को लेकर अभी तक अनिल की तरफ से कोई भी अधिकारिक बयान नहीं आया है। दिसंबर में फिल्म के अनाउंसमेंट पोस्टर के साथ मेकर्स ने लिखा था....

• फिल्म 'खिलाड़ी 786' में दोनों एक्टर-एक्टर्स

अक्षय ने असिन को लेकर कहा- अभिनेत्री पर जान छिड़कते हैं राहुल

अक्षय कुमार और असिन ने एक साथ फिल्म 'खिलाड़ी 786' में एक साथ काम किया था। इस फिल्म के सेट से ही असिन की लव स्टोरी की शुरुआत हुई थी और अक्षय कुमार ने दोनों को मिलवाने में अहम योगदान निभाया था। अक्षय ने खुद इस बात का खुलासा किया है कि उन्होंने असिन को अपने दोस्त राहुल से मिलवाया था। बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार अभिनय के अलावा दोस्ती निभाने के लिए भी मशहूर हैं। खिलाड़ी कुमार को यारों के यार के रूप में भी जाने जाते हैं। शायद कम ही लोगों को पता होगा कि साउथ की सुपर स्टार असिन के पति राहुल शर्मा और अक्षय कुमार एक-दूसरे के सबसे खास दोस्त हैं। खुद अक्षय कुमार ने शिखर धवन के शो में इस बात का खुलासा किया। आइए आपको बताते हैं अक्षय कुमार ने असिन और उनके पति राहुल शर्मा के बारे में क्या कुछ कहा है।

असिन के पति अक्षय से साझा करते हैं हर खुशी

शिखर धवन के शो में अक्षय कुमार ने असिन और राहुल शर्मा के रिश्तों के बारे में बातें करते हुए कहा, राहुल असिन और अपनी बेटी से बेहद प्यार करते हैं। राहुल असिन को देवी की तरह मानते हैं। वे उनपर जान छिड़कते हैं। वहीं राहुल शर्मा ने भी अक्षय कुमार के लिए एक वीडियो मैसेज रिकॉर्ड करके भेजा था जिसमें उन्होंने बताया था कि अक्षय वे पहले शख्स थे जिनको उन्होंने कॉल करके अपनी बेटी के बारे में बताया था। अक्षय कुमार सब छोड़कर सबसे पहले असिन और उनकी बेटी को देखने के लिए अस्पताल पहुंचे थे। पिछले दिनों अफवाहों का बाजार गर्म था कि असिन और राहुल के बीच में सब ठीक नहीं चल रहा है। दोनों के बीच तलाक होने वाला है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो अफवाहों में कोई सच्चाई नहीं है। असिन व राहुल एक-दूसरे के साथ काफी खुश हैं। वे सोशल मीडिया से दूर खुशहाल जिंदगी जी रहे हैं।

असिन की शादी में निभाया खास रोल

अक्षय कुमार और असिन ने एक साथ फिल्म 'खिलाड़ी 786' में एक साथ काम किया था। इस फिल्म के सेट से ही असिन की लवस्टोरी की शुरुआत हुई थी और अक्षय कुमार ने दोनों को मिलवाने में अहम योगदान निभाया था। अक्षय ने खुद असिन को अपने दोस्त राहुल से मिलवाया था।

• खबर सुन फैंस को लगा तगड़ा झटका

अभिनेता संजय दत्त ने छोड़ दी एक्टर अक्षय कुमार की फिल्म 'वेलकम टू द जंगल'!

'वेलकम' फेंचाइजी की तीसरी 'वेलकम टू द जंगल' का क्रेज दर्शकों के बीच खूब छाया हुआ है। फैंस उत्सुकता के साथ इस फिल्म का इंतजार कर रहे हैं। फिल्म में सितारों की बड़ी टोली है। फिल्म को लेकर लगातार आ रही नई जानकारियों का फैंस इंतजार करते हैं। वहीं अब फिल्म को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है, जो दर्शकों को निराश भी कर सकता है। दरअसल, संजय दत्त निर्देशक अहमद खान की कॉमिक फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' में शामिल हुए थे। अब उनकी भूमिका पर संकट छाए हुए हैं। दरअसल, संजय दत्त को फिल्म में अक्षय कुमार, परेश रावल, सुनील शेट्टी और अन्य के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करना था। हालांकि, वेलकम 3 पर ताजा खबर यह है कि संजय ने कॉमिक फिल्म से बाहर निकलने की तैयारी कर ली है। रिपोर्ट्स के अनुसार संजय दत्त ने वेलकम टू द जंगल से बाहर निकलने के लिए तारीख की समस्या का हवाला दिया। रिपोर्ट्स के अनुसार, संजय दत्त ने सारी बातें अपने दोस्त अक्षय कुमार को बताई, जो वेलकम टू द जंगल का अहम हिस्सा हैं। बताया जा रहा है कि संजय दत्त को लगा कि वेलकम टू द जंगल की शूटिंग अनियोजित तरीके से हो रही है और स्क्रिप्ट में बहुत सारे बदलाव किए जा रहे हैं, जिससे उनकी शूटिंग की डायरी खराब हो रही है और इसलिए उन्होंने अपने रास्ते अलग कर लिए हैं। दावा किया गया था कि संजय ने अहमद खान निर्देशित फिल्म के पहले शेड्यूल में वेलकम टू द जंगल के कुछ मजेदार हिस्से शूट किए थे। वहीं, अब संजय ने इस फिल्म से बाहर होने का मन बना लिया है तो ऐसे में निर्माता फिल्म में उनकी जरिए शूट किए गए हिस्से इसका उपयोग करना चाहते हैं और संजय को अतिथि भूमिका निभाने का श्रेय देने के लिए तैयार हैं। अब निर्माता नए बदलावों के अनुसार स्क्रिप्ट का निर्माण करेंगे।

'वेलकम टू द जंगल' जंगल में कलाकारों की बड़ी टोली मौजूद है। फिरोज नादिदावाला द्वारा निर्मित इस फिल्म में अक्षय कुमार के साथ रवीना टंडन, जैकलीन फर्नांडीज, अरशद वारसी, श्रेयस तलपड़े, दिशा पटानी, लारा दत्ता, मुकेश तिवारी, राजपाल यादव, शारिब हाशमी, जॉनी लीवर और कई अन्य कलाकार शामिल हैं। 'वेलकम 3' इस साल दिसंबर में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

प्लेटफार्म से बैग ले भागे बदमाश, 48 हजार और मोबाइल निकालकर फेंका

भोपाल। भोपाल रेलवे स्टेशन पर प्लेटफार्म पर बैठे एक युवक का तीन बदमाश बैग उठाकर भाग निकले। युवक ने जब बदमाशों का पीछा किया तो उन्होंने 48 हजार रुपए नकद और मोबाइल फोन निकालकर बैग फेंक दिया। जीआरपी ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। हुलिए के आधार पर तीनों की तलाश की जा रही है। जानकारी के अनुसार सागर निवासी जयंतसिंह गौड़ को अपने घर जाना था। ट्रेन लेट होने के कारण वह भोपाल रेलवे स्टेशन स्थित प्लेटफार्म क्रमांक 6 पर इटारसी छोर की तरफ जाकर बैठ गए। उन्होंने अपना बैग बगल में रखा और खाना खाने लगे। इसी बीच तीन लड़के उनके पास पहुंचे। कुछ देर ठहरने के बाद एक युवक ने जयंत का बैग उठाया और उसके बाद तीनों वहां से भाग निकले। जयंत ने उनका पीछा किया तो बदमाश ने बैग के अंदर रखे 48 हजार रुपए नकद और 17 हजार रुपए कीमत का मोबाइल फोन निकालकर बैग फेंक दिया। जयंत को बैग तो मिल गया, लेकिन उसके अंदर रखा सामान बदमाश लेकर भाग चुके थे। सीट पर रखा मोबाइल फोन चोरी ग्वालियर निवासी अशोक कुशवाह इंदौर भोपाल एक्सप्रेस के स्लीपर कोच में इंदौर से भोपाल की यात्रा कर रहे थे। उन्होंने अपना मोबाइल फोन जेब में रखा हुआ था।

6 दिन बाद बेसुराग हत्यारोपियों पर 30 हजार रुपए का इनाम घोषित

भोपाल। राजधानी के गांधी नगर में हुई युवक की हत्या के 3 आरोपियों का 6 दिन बाद भी कोई सुराग नहीं लग पाया है। आरोपियों की गिरफ्तारी पर पुलिस ने 30 हजार का इनाम घोषित किया है। आरोपियों की तलाश में गांधी नगर के साथ ही क्राइम ब्रांच की टीमों को भी लगाया गया है। जानकारी के अनुसार गांधी नगर थानांतर्गत गोंदरमऊ में रहने वाला अदनान खान (25) मैकेनिक का काम करता था। बीती तीन मार्च की रात करीब साढ़े आठ बजे मोहल्ले में रहने वाले राजकुमार सोलंकी, लक्की सोलंकी और शुभम उसे चाय पीने के बहाने अपने साथ ले गए और गली में ले जाकर चाकू मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे परिजनों ने अदनान को इलाज के लिए तुरंत ही अस्पताल पहुंचाया, जहां उसकी मौत हो गई। घटना के बाद से तीनों आरोपी मौके से फरार हो गए थे। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की तीन टीमें लगाई गई थी, लेकिन उनका कुछ सुराग नहीं मिल पाया। गिरफ्तारी पर घोषित हुआ इनाम आरोपियों का पता नहीं चलने पर तीनों की गिरफ्तारी के लिए क्राइम ब्रांच की टीम को भी लगाया गया है। इसके साथ ही तीनों पर कुल 30 हजार का इनाम घोषित किया गया है।

जहरीला पदार्थ खाने से युवक की मौत, पुलिस जांच में जुटी

भोपाल। छोला मंदिर इलाके में रहने वाले एक युवक ने जहरीला पदार्थ खा लिया। तबीयत बिगड़ने पर परिजन उसे इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने चेक करने के बाद मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पीएम कराने के बाद लाश परिजन को सौंप दी है। जानकारी के अनुसार इंदरसिंह कहार (20) शंकर नगर छोला मंदिर में रहता था और माली का काम करता था। शुक्रवार दोपहर वह घर पर था। शाम के समय अचानक ही वह उल्टियां करने लगा तो मां उसे इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल लेकर पहुंची। यहां कुछ देर चले इलाज के बाद इंदर ने दम तोड़ दिया। मृतक के पास कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। परिजनों के बयान के बाद ही जहर खाने के कारणों का खुलासा हो पाएगा।

रातीबड़ में होटल और ढाबों पर आबकारी छापा देशी-विदेशी अवैध शराब जब्त

भोपाल। कलेक्टर के निर्देश और सहायक आबकारी आयुक्त दीपम रायचूरा के मार्गदर्शन में आबकारी की टीम ने बीती रात रातीबड़ और नीलबड़ स्थित आधा दर्जन से ज्यादा होटल और ढाबों पर छापामार कार्रवाई की। आबकारी कंट्रोलर एचएस गोयल के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई के दौरान कुल 31 प्रकरण दर्ज किए गए। इसके साथ ही 4 पेटी देशी और 5 पेटी अंग्रेजी शराब जब्त हुई। जानकारी के अनुसार आबकारी विभाग को सूचना मिली थी कि नीलबड़ और रातीबड़ इलाके में स्थित कई होटल, रेस्टॉरेंट और ढाबों पर अवैध रूप से शराब पिलाई जा रही है। इस सूचना के बाद शुक्रवार रात आबकारी कंट्रोलर एचएस गोयल के नेतृत्व में अलग-अलग टीमों ने कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान टीमों ने इलाके के साक्षी ढाबा, वन माल्ट, हंगरी हट, हाईड आउट, ट्री चैप्टर, वाइट आर्किड समेत आधा दर्जन से ज्यादा स्थानों पर एकसाथ दबिश दी। इस दौरान अवैध स्थान पर मदिरापान करने वाले लोगों और होटल तथा ढाबों के संचालकों के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धाराओं के तहत कार्रवाई की गई। इस दौरान कुल 31 प्रकरण दर्ज किए गए। इसके एक दिन पहले बरखेड़ा पठानी इलाके में अलग-अलग स्थानों पर दबिश दी गई थी। इस दौरान अवैध रूप से शराब तस्करी करने वाले कुल चार लोगों को गिरफ्तार किया गया। उनके पास से चार पेटी देशी और पांच पेटी अंग्रेजी शराब जब्त की गई थी। आबकारी कंट्रोलर श्री गोयल ने बताया कि अवैध शराब की तस्करी करने और होटल ढाबों पर अवैध रूप से शराब पीने और पिलाने वालों के खिलाफ इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

बजरंगियों ने घेरा टीटी नगर थाना, पुलिस ने की आनन फानन में कार्रवाई

दो भाइयों के साथ आधा दर्जन से अधिक लोगों ने की मारपीट

भोपाल, दोपहर मेट्रो

न्यू मार्केट में दुकान के सामने फुटपाथ पर दुकान लगाने की बात को लेकर विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर समुदाय विशेष के लोग इकट्ठा हो गए और दो दुकानदारों के साथ जमकर मारपीट की।

मामला थाने पहुंचा और पुलिस ने मामूली धाराओं में एफआईआर कर दोनों पक्षों को समझाइश देकर छोड़ दिया। इस पर बजरंगियों को गुस्सा फूंट गया। बजरंगी शुक्रवार दोपहर इकट्ठा हो गए और टीटी नगर थाने का घेराव कर दिया। घेराव होने के बाद पुलिस ने आनन फानन में आरोपियों के खिलाफ एक और मुकदमा दर्ज कर लिया। पुलिस ने आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया, तब जाकर बजरंगियों का गुस्सा शांत हो सका।

पुलिस के अनुसार कोटरा सुल्तानाबाद निवासी 33 साल के भारत जाटव अपने भाई धीरज जाटव के साथ न्यू मार्केट में कपड़े की दुकान लगाते हैं। उन्होंने शिकायत करते हुए बताया कि 4 मार्च की दोपहर वह दुकान पर थे। इस दौरान पास ही दुकान लगाने वाले अरसलन और हमजा से उनकी कहासुनी बड़ गई। कहासुनी होने के बाद मारपीट होने लगी। मारपीट बड़ने पर अरसलन और हमजा ने अपने साथियों के साथ मिलकर उनसे जमकर मारपीट की। टीटी नगर पुलिस ने भारत जाटव की शिकायत पर मारपीट की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया था।

जमानती धारा होने के कारण छोड़ा

मारपीट की साधारण धारा होने के कारण अरसलन और हमजा को छोड़ दिया गया। छूटने के बाद अरसलन और हमजा समेत वहां दुकान लगाने वाले अरबाज सोहिल ओर अरहन गुरुवार शाम भारत जाटव को मिले और जाति सूचक शब्द कहने लगे। वे कहने लगे कि ले हम छूटकर आ गए तू हमारा कुछ नहीं बिगाड़ सकेगा। पूरा प्रकरण हिंदू संगठन को पता चला तो वह थाने के सामने इकट्ठा हो गए और हंगामा करने लगे।

हिंदू संगठन बोला युवतियों और महिलाओं से करते हैं बदतमीजी

विश्व हिंदू परिषद के विभागीय अध्यक्ष जीवन शर्मा ने बताया कि विवाद केवल मारपीट का ही नहीं है। यहां समुदाय विशेष के लोगों ने अतिक्रमण कर रखा है। वे न्यू मार्केट में आने वाली युवतियों और महिलाओं को कमेंट्स भी करते हैं। अतिक्रमण यहां से हटना चाहिए। अतिक्रमण हटाने और मारपीट के दोषियों पर सख्त कार्रवाई करने उनका जुलूस निकालने के लिए थाने का घेराव किया गया है।

मारपीट की शिकायत पर पुलिस ने मंगलवार को ही प्रतिबंधात्मक कार्रवाई कर दी थी। पीड़ित पक्ष का कहना है कि उनके साथ जाति सूचक शब्दों का प्रयोग किया गया है। पुलिस ने शिकायत मिलने पर पांच आरोपियों के खिलाफ एट्रोसिटी एक्ट का मामला दर्ज कर लिया है। अतिक्रमण की कार्रवाई के लिए नगर निगम को चिट्ठी लिखी गई है। नगर निगम की कार्रवाई में पुलिस साथ रहेगी।

सुधीर अरजरिया, थाना प्रभारी टीटी नगर

लीक सिलेंडर में दीये से भड़की थी आग, बुजुर्ग मां के बाद बेटे की भी मौत

आशाराम नगर में बुधवार दोपहर शिवरात्रि की पूजा के दौरान हुआ था हादसा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बागसेवनिया थाना क्षेत्र स्थित आशाराम नगर में शिवरात्रि की दोपहर दोपहर घर में चल रही पूजन के दौरान गैस सिलेंडर से गैस रिसने से हादसा हो गया था। इस हादसे में एक ही परिवार 11 लोग गंभीर रूप से झुलस गए थे। इसमें पूजा करने वाले पंडित जी समेत हलवाई भी शामिल है। झुलसे सभी लोगों को एम्स में इलाज चल रहा है। झुलसने के कारण शिवरात्रि के दो दिन बाद 28 फरवरी को परिवार के बुजुर्ग महिला की मौत हो गई थी। अब इलाज के दौरान उनके बेटे की भी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है।

पुलिस के अनुसार आशाराम नगर निवासी बृज शुक्ला के घर गुरुवार दोपहर महा शिवरात्रि के दिन पूजा का आयोजन किया गया था। परिजन दीप जलाकर पूजा कर रहे थे, जबकि किचन में खाना बनाने वाले खाना बना रहे थे। दोपहर करीब एक बजे के आसपास गैस सिलेंडर बदलते समय गैस तेजी से रिसने लगी।

गैस का रिसाव तेज होने के कारण पता ही नहीं चला कि और गैस कमरों तक फैलने गली। घर में गैस का वैक्यूम बना और एकाएक दीये आग भभक गई। आग भभकने से पूजा पाठ कर रहे परिवार के सदस्य बुरी तरह से झुलस गए। इस दौरान खाना बनाने वाले और पंडित जी भी झुलस गए थे।

सभी को इलाज के लिए एम्स और निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वहां इलाज के दौरान शुक्रवार सुबह मनोरमा शुक्ला पति बृज किशोर शुक्ला (86) की मौत हो गई। अन्य का इलाज चल रहा था। शुक्रवार को एकाएक तबीयत बिगड़ने के बाद 56 साल के नवल किशोर की भी मौत हो गई।

कॉल सेंटर का मास्टर माइंड अफजल गया जेल गिरफ्तारी से पहले बिगड़ी एएसआई की तबियत

अफजल की पत्नी और सालों को भी पुलिस ने बनाया ठगी का आरोपी, अफजल के साथ मिलकर करते थे काम

भोपाल, दोपहर मेट्रो

फर्जी कॉल सेंटर के मास्टर माइंड अफजल खान को ऐशबाग पुलिस ने शुक्रवार को कोर्ट में पेश कर दिया। कोर्ट ने उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया। पुलिस रिमांड के दौरान उसने बताया कि अपनी बेटी साहिबा, पत्नी जायद बेगम, साला मोइन खान और वसीम खान के साथ मिलकर तीन साल से कॉल सेंटर चला रहा था।

पूछताछ के बाद पुलिस ने उसकी पत्नी-सालों को भी ठगी के मामले में आरोपी बनााया लिया। कॉल सेंटर का फर्जीवाड़ा पकड़ाने के बाद डील करने वाले निलंबित एएसआई पवन रघुवंशी की तबीयत बिगड़ गई। गिरफ्तारी से बचने के लिए प्राइवेट अस्पताल में भर्ती है। पुलिस की टीमें अस्पताल का पता लगाने में जुटी हुई हैं।

आरोपी पवन रघुवंशी भ्रष्टाचार अधिनियम के तहत दर्ज हुए मामले में मुख्य आरोपी है। पुलिस उसकी गिरफ्तारी करेगी। निलंबित टीआई जितेन्द्र गड़वाल, एएएसआई मनोज सिंह, धर्मेंद्र की जांच के बाद गिरफ्तारी तय होगी। प्रारंभिक तौर पर यह सब आरोपी हैं।

उल्लेखनीय है कि 22 फरवरी को प्रभात चौराहा के पास एटीसी कंपनी के कॉल सेंटर में ऐशबाग पुलिस ने छापा मारा था। एएसआई पवन रघुवंशी ने कॉल सेंटर संचालक अफजल से प्रकरण को रफा दफा करने के बदले सौदा कर लिया।

टीकमगढ़ के पार्षद अंशुल जैन से डील

मामला जब आलाधिकारियों के संज्ञान में आया तो छापामार कार्रवााई के सातवें दिन पुलिस ने सेंटर संचालक अफजल और उसकी बेटी साहिबा के खिलाफ मामला दर्ज किया था। अफजल के परिवार के अन्य लोगों को अपराध में नाम नहीं आए इसके लिए उसके साले ने टीकमगढ़ से पार्षद अंशुल जैन के जरिए डील शुरू की थी।

मंगलवार रात अंशुल ने पांच लाख रुपए लाइन अटैच एएसआई को उसके घर के पास दिया था। इसकी जानकारी लगते ही पुलिस अधिकारियों की टीम ने बुधवार सुबह पवन के घर पर छापामार कार्रवाई की थी। पुलिस कमिश्नर हरिनारायणचारी मिश्र ने टीआई समेत चार पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया था। बुधवार रात देर रात इन सभी के खिलाफ भ्रष्टाचार अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी। तब से आरोपी पुलिसकर्मी भूमिगत हैं।

25 लाख में सभी को बचाने की थी डील

लाइन अटैच एएसआई पवन की पार्षद अंशुल जैन उर्फ मोना से फोन पर बात हुई थी। अंशुल ने उसे अफजल की पत्नी और साले को बचाने की कीमत पूछी थी। तब पवन ने कहा कि आज शाम तक 25 लाख रुपए पहुंचा दो, सबको बचा लूंगा। मोना उस समय भोपाल में ही था। पुलिस अधिकारियों ने दावा किया कि पार्षद पैसा देकर फरार हो गया था। इसके बाद पवन के घर पर रेड मारी गई थी।

मेट्रो एंकर फायर ब्रिगेड पहुंची तो आरोपी बोला, मैंने नुकसान करने खुद लगाई आग, किया पथराव

पत्नी गई मायके, गम में शराबी पति ने घर में लगाई आग

भोपाल, दोपहर मेट्रो

पिपलानी थाना क्षेत्र स्थित गोपाल नगर में एक युवक ने अपने घर में आग लगा ली। दरअसल, उसकी पत्नी मायके चली गई थी। पत्नी के मायके जाने से दुखी होकर उसने अपने ही घर में आग लगा ली। आग भड़कर पड़ोसी के घर तक पहुंचने लगी और पड़ोसी ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी।

आग बुझाने पहुंची फायर ब्रिगेड की मदद करने की बजाय आरोपी कहने लगा कि मैंने अपने घर खुद आग लगाई है और फायर ब्रिगेड की गाड़ी पर पथराव कर दिया। पुलिस ने उक्त मामले में आरोपी के खिलाफ दो प्रकरण दर्ज किए है। एक प्रकरण पड़ोसी की शिकायत पर जबकि दूसरा प्रकरण नगर निगम के फायर ऑफिसर की शिकायत पर दर्ज किया गया। आरोपी आपराधिक प्रवृत्ति का है और उससे मोहल्ले में रहने वाले परेशान है।

पुलिस के अनुसार गोपाल नगर निवासी 76 साल की मनोरमा सक्सेना गृहणी हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि उनके मकान के बगल में सचिन मालवीय रहता है। वह पेशे से आटो चालक है। वह शराब के नशे का आदी है। गुरुवार सुबह करीब साड़े 11 बजे सचिन के घर में आग लग गई। आग बड़कर खिड़कियों से बाहर निकली और उनके घर के कपड़े जल गए। उन्होंने फायर ब्रिगेड बुलाई। आग बुझाने फायर ब्रिगेड पहुंची तो सचिन मालवीय ने उसे रोक लिया और फायरमैन से गालीगलौज करते हुए कहने लगा कि आग मैंने अपने नुकसान के लिए लगाई है। उसने फायर ब्रिगेड की गाड़ी पर पत्थर मारकर कांच तोड़ दिया।

पुलिस पर भी होने लगा हावी

इधर आगजनी और हंगामे की सूचना पर पहुंची पुलिस पर भी सचिन मालवीय हावी होने लगा। लिहाजा पुलिस और आसपास के लोगों ने उसे पकड़ लिया और थाने ले आए। आरोपी से पूछताछ में पता चला कि उसने पत्नी के मायके जाने से दुखी होकर अपने घर में आग लगाई थी। वह आग लगाकर पत्नी को डराना चाहता था।

कानून व्यवस्थाओं और वीआईपी सुरक्षा पर सेमीनार

भोपाल। पुलिस मुख्यालय की प्रशिक्षण शाखा एवं पुलिस अकादमी भोपाल की निदेशक सोनाली मिश्रा एडीजीपी के निर्देश और पुलिस अकादमी के उपनिदेशक राजीव कुमार मिश्रा के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश पुलिस के अधिकारियो के लिए कानून व्यवस्था एवं वीआईपी सुरक्षा विषय पर एक दिवसीय सेमीनार का आयोजन किया गया। पुलिस अकादमी में आयोजित इस सेमीनार का उद्घाटन पुलिस महानिरीक्षक कानून व्यवस्था अंशुमान सिंह ने किया। श्री सिंह ने विभिन्न जिलों की पुलिस कप्तानी, पुलिस मुख्यालय की विशेष शाखा एवं विदेशों में प्रतिनियुक्ति के दीर्घकालिक अनुभव के आधार पर प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए हुए प्रतिभगियों को ज्ञानवर्धक एवं फील्ड में उपयोग आने वाली जानकारी दी। एसीपी गोविंदपुरा दीपक नायक ने वीवीआईपी कानून व्यवस्था और ड्यूटी के बारे में व्यवहारिक ज्ञान के आधार पर व्याख्यान। निवेदिता नायडू पुलिस अधीक्षक उमरिया ने ऑनलाइन जुड़कर कानून व्यवस्था ड्यूटी और केस स्टडीज के बारे में प्रतिभागियों को ज्ञानवर्धक जानकारी दी।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया**
संपादक आशीष दुबे* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022